राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,24 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–297 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आफताब के बयान से एक्सपर्ट्स सहमत नहीं, बोले- यह गुस्से में हुआ अपराध नहीं

नई दिल्ली। अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार मनोचिकित्सक डॉ. संदीप वोहरा ने आफताब के बयान को झूठ बताया है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा की हत्या गुस्से में हुई कोई घटना नहीं बल्कि प्री-प्लांड साजिश थी। श्रद्धा मर्डर केस के आरोपी आफताब ने मंगलवार को कोर्ट में कहा कि उसने गुस्से में आकर अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। डॉ. संदीप बोहरा का कहना है कि मैं आफताब के बयान से सहमत नहीं हूं। जब कोई गुस्से में अपराध करता है तो कुछ देर बाद उसे अपनी गलती का अहसास भी होता है। कई बार खबरें आती हैं कि किसी शख्स ने दूसरे को गोली मार दी और फिर पुलिस स्टेशन में जाकर सरेंडर कर दिया। वहीं, आफताब हत्या के बाद महीनों तक सबूत खत्म करता रहा। इससे साफ है कि श्रद्धा की हत्या की प्लानिंग उसने पहले से ही कर ली थी। डॉ. बोहरा ने कहा कि मर्डर के बाद आफताब ने जिस तरह के काम किए वह एक मनोरोगी ही कर सकता है न कि सामान्य व्यक्ति। ऐसा लगता है कि आफताब को अपने किए का कोई पछतावा नहीं है। आफताब छतरपुर पहाड़ी स्थित हरे रंग की इस बिल्डिंग में पहले फ्लोर पर रहता था। वह किसी से नहीं मिलता था। बिल्डिंग में रहने वाले लोग इस केस से पहले उसका नाम तक नहीं जानते थे। आफताब छतरपुर पहाड़ी स्थित हरे रंग की इस बिल्डिंग में पहले फ्लोर पर रहता था। वह किसी से नहीं मिलता था। बिल्डिंग में रहने वाले लोग इस केस से पहले उसका नाम तक नहीं जानते थे।

आफताब के बार-बार बयान बदलने पर उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। वो बयान बदलकर पुलिस को गुमराह करेगा। इस पूरे मामले में श्रद्धा के परिवार के सपोर्ट की भी कमी रही। अगर परिवार को समर्थन होता तो शायद वह जिंदा होती।

बीजेपी के लिए बागी बने सिरदर्द, सख्त कार्रवाई से भी नहीं बन रही बात

- बीजेपी ने सभी 182 पर उम्मीदवार उतारे हैं
- 19 सीटों पर पार्टी के नेता ही बन गए है बागी
- सात नेताओं को पहले किया गया था सस्पेंड

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनावों में इस बार रिकॉर्ड तोड़ जीत के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, लकिन पार्टी के उसके नेता ही सिरदर्द साबित हो रहे हैं। पार्टी को उम्मीद थी कि टिकट नहीं मिलने से नाराज नेता देर-सबेर पार्टी में लौट आएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पार्टी ने पहले चरण में सात नेताओं को सस्पेंड करके कड़ा संदेश देने की कोशिश की थी। इसके बाद प्रदेश प्रमुख सी आर पाटिल ने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी जारी की थी, लेकिन इसके बाद भी पार्टी नेता बागवत पर आमादा है। इसके बाद पार्टी ने 12 और नेताओं को संस्पेंड किया है। ऐसे में कुल बागी नेताओं की संख्या 19 हो गई है, हालांकि इन नेताओं ने पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर खुद ही इस्तीफा दे दिया था। अब बड़ा सवाल यह है कि पार्टी को क्या इन नेताओं की नाराजगी भारी पड़ेगी। कई सीटें ऐसी हैं जहां पर पार्टी के बागी गणित गड़बड़ा सकता हैं। पार्टी ने पिछले चुनाव में 99 सीटें जीती थीं। इस बार पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी का रिकॉर्ड तोड़ना चाहती है।

कई बड़े नाम भी शामिल

पार्टी ने इससे पहले छह नेताओं को पार्टी से सस्पेंड किया था। दूसरी सूची में सबसे पहला नाम वडोदरा जिले की पादरा विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे दिनेश पटेल उर्फ दीनु मामा का है। इसके बाद पार्टी ने वडोदरा

जिले की वाघोडिया जिले की सीट से चुनाव लड़ रहे मधु श्रीवास्तव पर भी कार्रवाई की है। मधु मौजूदा विधायक हैं। पार्टी ने इसके अलावा वडोदरा में सावली सीट से कांग्रेस की टिकट पर लड़ रहे कुलदीप सिंह राउल पर कार्रवाई की है। पार्टी ने पंचमहाल जिले में शहेरा सीट से चुनाव लड़ जीतुभाई पगी, महिसागर जिले में ऐस एम खांट, जेपी पटेल को पार्टी ने सस्पेंड किया है तो वहीं पार्टी ने आणंद जिले में रमेश भाई झाला, अमरीश भाई झाला, अरवल्ली में बायड से चुनाव लड़ रहे धवल सिंह झाला, महेसाणा की खेरालू से बागी बने रामसिंह ठाकोर और धानेरा से मैदान में उतरे मावजीभाई देसाई को पार्टी से सस्पेंड किया है। पार्टी ने बनासकांठा के डीसा से पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ लड़ने पर लेखजी ठाकोर पर कार्रवाई की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल ने पहले कार्रवाई की चेतावनी दी थी, इसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी के मैंडेट के खिलाफ लड़ रहे नेताओं पर कार्रवाई की जाएगी। 21 नंवबर को जैसे ही दूसरे चरण के लिए नाम वापसी का समय खत्म हुआ। पार्टी ने इन नेताओं को संस्पेंड करने का ऐलान कर दिया।

19 सीटों पर लड़ रहे हैं बागी– प्रदेश की कुल 182 सीटों में से 19 सीटों पर बीजेपी उम्मीदवार के खिलाफ पार्टी के नेता ही लड़ रहे हैं। इन नेताओं को टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन पार्टी ने अंतिम वक्त पर टिकट काटा तो फिर इन नेताओं ने निर्दलीय और दूसरी पार्टी से ताल ठोंक दी। पार्टी ने अब इन नेताओं पर सख्त कार्रवाई करते हुए इन्हें पार्टी से निष्कासित किया है।

बीजेपी को मिली थी 99 सीटें

गुजरात में विधानसभा कुल सीटों की संख्या 182 है। इसमें 40 सीटें आरक्षित हैं। 27 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए और 13 सीटें अनुसूचित जाति के रिजर्व हैं। विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 92 सीटों का है। 2017 के चुनाव में सत्तारूढ़ बीजेपी मुश्किल से सरकार बचा पाने में सफल रही थी। दो दशक में पहली बार पार्टी की सीटों की संख्या दो अंकों में सिमट गई थी और बीजेपी सिर्फ 99 सीटें जीत सकती थी। कांग्रेस को 2017 के चुनाव 77 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस से गठबंधन करके लड़ी भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) को 2 सीटें मिली और 1 सीट पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) विजयी हुई थी। तीन सीटों पर निर्दलीय जीते थे। इनमें वडगाम से दलित नेता जिग्नेश मेवाणी की कांग्रेस के समर्थन से जीत हुई थी।

सभी सरकारों ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया, सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को लेकर तल्ख टिप्पणी की है। सर्वोच्च अदालत का कहना है कि सरकारों ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि 1996 के बाद से सरकारों ने किसी भी मुख्य चुनाव आयुक्त को नेतृत्व करने के लिए पूरे छह साल का कार्यकाल नहीं दिया है। संविधान पीठ ने इस बात को लेकर अफसोस भी जताया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में कानून की अनुपस्थिति एक खतरनाक ट्रेंड है। पांच जजों की पीठ ने कहा है कि सीईसी और चुनाव आयुक्तों को कैसे चुना जाए, इस पर संविधान की चुप्पी का सभी राजनीतिक दलों द्वारा शोषण किया गया है। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, ÷यह परेशान करने वाली प्रवृत्ति है। टीएन शेषन 1990 और 1996 के बीच छह साल के लिए सीईसी थे। उसके बाद अब तक किसी भी व्यक्ति को पूरा कार्यकाल नहीं दिया गया है। सरकार जानबूझकर ऐसे सीईसी को नियुक्त करती है जिसे अपना पूरा छह साल नहीं मिले। चाहे वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकार हो या फिर वर्तमान एनडीए की सरकार, यह एक प्रवृत्ति रही है। पीठ ने आगे कहा, इससे

तथाकथित स्वतंत्रता सिर्फ जुमलेबाजी साबित होती है। इसे पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है। कोई भी उनसे सवाल नहीं कर सकता। संविधान की खामोशी का फायदा उठाया जाता है। इनकी नियुक्ति में कोई कानून नहीं है, कोई रोकने वाला नहीं है। हर किसी ने इसे अपने हित में इस्तेमाल किया है। किसी को उठाओ और उसे बहुत छोटा सा कार्यकाल दे दो।

बाहर का खाना, बढ़ गया वजन; मसाज के बाद तिहाड़ से आए सत्येंद्र जैन के नए वीडियो

नई दिल्ली। तिहाड़ में बंद सत्येंद्र जैन के कुछ और वीडियो क्लिप सामने आये हैं। दावा किया जा रहा है कि सत्येंद्र जैन जेल के अंदर फल और ड्राई फ्रूट्स खा रहे हैं। जो वीडियो सामने आया है उसमें नजर आ रहा है कि सत्येंद्र जैन अपने सेल में खाना खा रहे हैं। इस वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि सत्येंद्र जैन जेल में फल और ड्राई फ्रूट्स खा रहे हैं। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि सत्येंद्र जैन जेल में बड़ी आराम से खाना खा रहे हैं। इत्मीनान से खाना खाने के बाद वो अपने बिस्तर पर लेट जाते हैं और फिर कुछ कागजात देख रहे हैं। तिहाड़ जेल से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जेल में रहने के

दौरान सत्येंद्र जैन का वजन 8 किलोग्राम बढ़ गया है। इससे पहले उनके वकील ने दावा किया था कि सत्येंद्र जैन का वजन 28 किलोग्राम घट गया है।

इससे पहले दिल्ली की एक कोर्ट में सत्येंद्र जैन की तरफ से एक अर्जी लगाई गई थी और दावा किया गया था कि जेल परिसर में उन्हें धार्मिक भोजन नहीं दिया जा रहा है। इस अर्जी में यह भी दावा किया गया था कि उन्होंने बीते 5 महीनों में अन्न का दाना भी नहीं खाया है। जैन के वकील ने कहा था कि जैन धर्म के अनुसार उन्हें खाना नहीं दिया जा रहा है जिसकी वजह से उनका वजन 28 किलो कम हो गया है। सत्येंद्र जैन की तरफ से अदालत में कहा गया ता कि जेल प्रशासन उनकी धार्मिक मान्यताओं के तहत उन्हें खाना नहीं देता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उन्हें जरूरी खाद्य पदार्थ, फल-सब्जियां, मिश्रित बीज, सूखे मेले और खजूर नहीं दिये जा रहे हैं। इससे पहले सत्येंद्र जैन का एक और वीडियो जारी हुआ था। इस वीडियो में वो मसाज कराते नजर आए थे। यह दावा किया गया था कि जिस शख्स से सत्येंद्र जैन मसाज ले रहे हैं उसका नाम रिंकू है और वो रेप का आरोपी भी है। रिंकू पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज है। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी पर निशाना भी साधा था।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मप्र पहुंची

भोपाल। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने बुधवार सुबह बुरहानपुर के बोदरली गांव से मध्य प्रदेश में प्रवेश किया। सभी यात्री महाराष्ट्र के जलगांव जामोद से सुबह 6 बजे रवाना होकर 7 बजे बोदरली पहुंचे। यहां राहुल का जोरदार स्वागत किया गया। बंजारा लोक नृत्य कलाकार रीना नरेंद्र पवार ने उनके स्वागत में लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। बोदरली में मंच से राहुल गांधी ने करीब 11 मिनट भाषण दिया। पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आशा जताई

है कि यात्रा को सबसे ज्यादा समर्थन मध्यप्रदेश में मिलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि यह यात्रा हमने कन्याकुमारी से शुरू की थी। उस समय विपक्ष ने कहा था कि हिंदुस्तान 3600 किलोमीटर लंबा है। यह पैदल नहीं नापा जा सकता। हम मध्य प्रदेश में आए हैं। यहां 370 किलोमीटर चलेंगे। यह तिरंगा हम श्रीनगर लहराएंगे। राहुल के साथ इस यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, अरुण यादव, सुरेंद्र सिंह शेरा, जीतू पटवारी सहित कई नेता हैं।

तेलंगाना में पोडू भूमि विवाद में आदिवासियों ने वन अधिकारी की हत्या की

हैदराबाद। तेलंगाना में लंबे समय से सुलग रहे पोडू भूमि विवाद में आदिवासियों ने चाकू और अन्य तेजधार हथियारों से हमलाकर चंद्रगोंडा वन रेंज अधिकारी (एफआरओ) चलामाला श्रीनिवास राव को मौत के घाट उतार दिया। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने वन अधिकारी की हत्या पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक को महेंद्र रेड्डी को कठोरतम कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

भद्राद्री कोठागुडम जिले में 22 नवंबर को हुई इस वारदात से राज्य सरकार हिल गई है। श्रीनिवास के सिर, गर्दन और छाती पर ताबड़तोड़ धारदार हथियारों से प्रहार

कर बर्बरता का प्रदर्शन किया गया। श्रीनिवास का गुनाह सिर्फ इतना है कि वो चंद्रगोंडा मंडल के बेंदलापाडु गांव में आदिवासियों (गुट्टिकोया जनजाति के लोग) को पोडू भूमि पर पौधरोपण के बाद बड़े हो रहे पौधों को नष्ट करने और काटने से रोक रहे थे। दुर्भाग्य यह रहा कि श्रीनिवास के साथ मौजूद बेंदलापाडु अनुभाग अधिकारी रामा राव भी बचाव नहीं कर पाए। उन्हें अपनी जान बचाकर भागने को मजबूर होना पड़ा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मृतक एफआरओ के परिवार को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया कि हमले में मारे गए श्रीनिवास राव के परिवार को नियमानुसार पूरा वेतन दिया जाए और यह वेतन सेवानिवृत्ति की उम्र तक उनके परिवार के सदस्यों को मिलता रहे। इसके अलावा परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जाए।

तेलंगाना में पोडू भूमि पर कई दशक से विवाद है। इस पर अधिकार का आदिवासी समुदाय दावा करता है। आदिवासियों का दावा है कि पोडू भूमि पर वृक्षारोपण अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के तहत गारंटीकृत उनके अधिकारों का उल्लंघन करता है।

आदिवासी ज्वाइंट एक्शन कमेटी का कहना है कि दशकों से पोडू भूमि पर खेती करने वाले आदिवासी किसानों को वन विभाग खदेड़ रहा है। हालांकि, सरकार और वन विभाग का कहना है कि यह आरोप बेबुनियाद हैं। इस भूमि पर सिर्फ पौधरोपण किया जाता है।

एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या से दहली दिल्ली, युवक ने माता-पिता, दादी और बहन का किया कत्ल

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। राष्ट्रीय राजधानी पालम इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की चाकू गोद कर हत्या होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। जिन लोगों की चाकू से गोद कर हत्या की गई है उनमें माता-पिता, दादी और आरोपी की बहन शामिल थीं। पुलिस ने इन चारों हत्याओं के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि इन सभी की हत्या मंगलवार की रात उस वक्त की गई जब यह सभी घर में सो रहे थे।

बिहार में दामाद ने ससुर को तलवार से काटा, बचाने आई सास-साले समेत कई ग्रामीणों पर भी किया हमला

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस घटना से जुड़ी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि युवक ने एक बहन की कमरे में हत्या की है। उसका शव कमरे में पड़ा हुआ है। जबकि दादी बिस्तर पर मृत पड़ी हुई है। वहीं घर में दो अन्य लोगों का शव भी मिला है।बताया जा रहा है कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

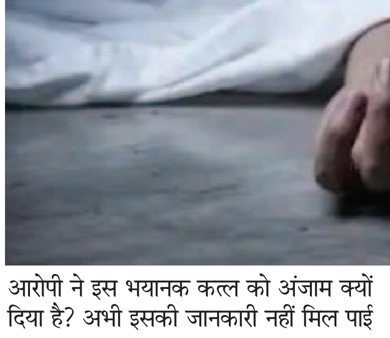

आरोपी ने इस भयानक कत्ल को अंजाम क्यों दिया है? अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि घर के बेटे ने ही अपने माता-पिता, बहन और दादी की चाकू से गोद कर हत्या की है। कहा जा रहा है कि वो किसी बात से नाराज था और इसी वजह से उसने इस हत्याकांड को अंजाम दिया है। यह भी बताया जा रहा है कि चार हत्याएं करने के बाद यह लड़का घर से बाहर नहीं गया और शव के पास ही बैठा रहा। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की रात करीब साढ़े दस बजे पुलिस को इस हत्याकांड की सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि इस लड़के को नशे की लत थी। हालांकि, घर के बेटे ने ऐसा भयानक कदम क्यों उठाया? इसे लेकर अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

दिल्ली पुलिस अभी श्रद्धा मर्डर केस की गुत्थी सुलझाने में जुटी हुई है। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी के पालम इलाके में इस बड़ी वारदात ने सभी को चौंका दिया है। घर में सो रहे चार सदस्यों को मौत के घाट उतारने की इस सनसनीखेज घटना को लेकर आगे कई चौंकाने वाले खुलासे भी हो सकते हैं। यह भी दावा किया जा रहा है कि यह लड़का ड्रग्स एडिक्ट था। हाल ही में यह लड़का ड्रग्स एडिक्शन सेंटर से बाहर आया था। लड़के का नाम केशव है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जुनून का खेल

इस छोटे से देश की आयोजन क्षमता को लेकर लगातार सवाल उठाये जाते रहे हैं। सवाल उसके मानवाधिकारों के रिकॉर्ड को लेकर भी उठते रहे हैं। लेकिन कतर के जज्बे ने दिखाया है कि एशियाई देश भी ऐसे भव्य आयोजन करने में सक्षम हैं। पूरा एशिया भी अब फुटबाल के खुमार में डूबता नजर आ रहा है।

कतर में फुटबाल के महाकुंभ की धमक

आखिरकार बहुप्रतीक्षित फीफा वर्ल्ड कप 2022 रंगारंग कार्यक्रमों और कतर तथा इक्वाडोर के बीच खेले मैच के साथ शुरू हो गया। खेल का जुनून करोड़ों लोगों के बीच इस कदर सिर चढ़कर बोल रहा है कि क्रिकेट का करिश्मा फीका नजर आ रहा है। इस आयोजन की मेजबानी एशिया को मिलना इस बात का प्रतीक है कि आने वाले दिनों में अमेरिका व यूरोप जैसा फुटबाल का जुनून इस महाद्वीप में भी नजर आये। इस आयोजन को लेकर कतर लगातार पश्चिमी देशों के निशाने पर रहा है। इस छोटे से देश की आयोजन क्षमता को लेकर लगातार सवाल उठाये जाते रहे हैं। सवाल उसके मानवाधिकारों के रिकॉर्ड को लेकर भी उठते रहे हैं। लेकिन कतर के जज्बे ने दिखाया है कि एशियाई देश भी ऐसे भव्य आयोजन करने में सक्षम हैं। पूरा एशिया भी अब फुटबाल के खुमार में डूबता नजर आ रहा है। इस आयोजन में तमाम टीमों में खेलने वाले चोटी के खिलाड़ियों के साथ केंद्र में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ही रहेंगे। जहां पिछले विश्व कप विजेता फ्रांस अपना खिताब बचाने की कोशिश में रहेगा, वहीं फुटबाल की दिग्गज टीमें ब्राजील, अर्जेंटीना, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन, बेल्जियम, नीदरलैंड,पुर्तगाल फीफा विश्वकप पर दावेदारी के साथ उतरेंगे। इस आयोजन की खास बात यह भी है कि 1978 के विश्वकप के बाद यह 29 दिन वाला सबसे कम अवधि का आयोजन होगा। बहरहाल, फीफा वर्ल्ड कप का यह आयोजन अपनी तमाम विशिष्टताओं के लिये याद किया जायेगा। कतर ने इस आयोजन के लिये बड़ी संख्या में आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया है। कई बड़े स्टेडियम व होटल बनाये गये हैं। यहां तक कि मेट्रो व नई सड़कों का निर्माण इस बड़े आयोजन के लिये किया गया। आयोजन के लिये सात स्टेडियम तो स्थायी बनाये गये हैं, जबकि एक को आयोजन के बाद ध्वस्त कर दिया जायेगा। इसे शिपिंग कंटेनरों के जरिये बनाया गया है। दरअसल, कतर एक छोटा देश है जो आकार के मामले में दुनिया के शीर्ष सौ देशों में भी नहीं गिना जाता। दावा है कि करीब पंद्रह लाख लोग इस आयोजन में शामिल होने के लिये आएंगे जिनमें से कुछ लोगों को पड़ोसी देशों में रहना पड़ सकता है। वैसे कतर ने इस आयोजन के लिये पैसा पानी की तरह बहाया है। पश्चिम देश कई मुद्दों पर इस आयोजन के बाबत कतर को घेरते रहे हैं। इस आयोजन के दौरान करीब छत्तीस लाख टन कार्बन उत्सर्जन की बात कही जा रही है। शराब पर सख्त प्रतिबंध भी पश्चिमी फुटबॉल प्रेमियों की चिंता का विषय रहा है। वहीं मानवाधिकार संगठन इस आयोजन के लिए निर्माण के दौरान भारत, पाक, नेपाल व बांग्लादेश के करीब साढ़े छह हजार प्रवासी श्रमिकों की मौत को लेकर भी सवाल उठाते रहे हैं। वहीं कतर ने इन आंकड़ों को गुमराह करने वाला बताया है। बहरहाल एशिया में फुटबॉल के जुनून के आगे क्रिकेट के दिन कुछ दिन फीके रहने वाले हैं। कोलकाता समेत शेष भारत भी इस जुनून में शामिल है।

सूक्ति

प्रतिभा का अर्थ है बुद्धि में नई कोपलें फूटते रहना। नई कल्पना, नया उत्साह, नई खोज और नई स्फूर्ति प्रतिभा के लक्षण हैं। - विनोबा भावे

लोभी को धन से, अभिमानी को विनम्रता से, मूर्ख को मनोरथ पूरा कर के, और पंडित को सच बोलकर वश में किया जाता है। - हितोपदेश

लॉफिंग ज़ोन

नौकर ने घबराए हुए लहजे से मालकिन से कहा, 'मालकिन गजब हो गया। अभी-अभी एक आदमी ने मालिक को एक कागज और एक पैकेट ला कर दिया। उसे देखते ही मालिक बेहोश हो गए और अभी तक होश में नहीं आए।'

मालकिन (खुश होकर), 'अच्छा, मालूम होता है जौहरी वह हार बनाकर दे गया है जिसका आर्डर मैंने पिछले हफ्ते दिया था।'

□ □ □

अमित, 'सुमित अपने बर्थडे पर तुम्हें कौन-सा गिफ्ट सबसे ज्यादा पसंद आया?'

सुमित, 'बाजा।'

अमित, 'क्यों?'

सुमित, 'क्योंकि उसे न बजाने के लिए पापा मुझे रोज पांच रूपये देते हैं।'

□ □ □

हाथी और चीटी के बच्चे में दोस्ती हो गई। दोनों खेल रहे थे कि हाथी का बच्चा परेशान हो गया।

चींटी के बच्चे ने पूछा, 'क्या बात है तुम बड़े परेशान दिखाई देते हो?'

हाथी का बच्चा बोला,' मेरे पापा आ गए है।

चींटी का बच्चा बोला, 'तो इसमें परेशान होने की क्या बात है तुम मेरे पीछे छुप जाओ।'

□ □ □

देश की नयी ताकत बनते भारतवंशी

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब दुनिया के कोने-कोने में तेजी से आगे बढ़ रहे भारतवंशियों और प्रवासियों से भी सहयोग और सहभागिता की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। हाल ही में प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारतीय प्रवासियों की कुल संख्या 1.79 करोड़ तक पहुंच गई। प्रवासियों की यह संख्या वर्ष 1990 में 66 लाख के मुकाबले छलांगें लगाकर तेजी से बढ़ी है।

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन 16 नवंबर को भारत के जी-20 का नया अध्यक्ष बनने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने से भारतवंशी और प्रवासियों से भारत के विकास में अभूतपूर्व योगदान की उम्मीदें बढ़ गई हैं। 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशिया में बाली के निकट सुनूर में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के पहले और 2014 के बाद के भारत में बहुत बड़ा फर्क है और देश अब अभूतपूर्व पैमाने और गति से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने प्रवासी भारतीयों को कहा कि 21वीं सदी में भारत दुनिया के लिए आशा की एक किरण है। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर भारत दुनिया की भलाई का प्रतीक है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अब भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों की बढ़ती अहमियत भारत की एक और बढ़ी शक्ति है। मोदी ने प्रवासियों को जनवरी 2023 में देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में होने वाले प्रवासी सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण भी दिया। उल्लेखनीय है कि जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन के नये भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से भी वार्ता हुई जहां सुनक के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और ब्रिटेन के कारोबारी संबंध प्रगाढ़ होने और दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र आकार लेने की उम्मीदें सामने दिखाई दे रही हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब दुनिया के कोने-कोने में तेजी से आगे बढ़ रहे भारतवंशियों और प्रवासियों से भी सहयोग और सहभागिता की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। हाल ही में प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारतीय प्रवासियों की कुल संख्या 1.79 करोड़ तक पहुंच गई। प्रवासियों की यह संख्या वर्ष 1990 में 66 लाख के मुकाबले छलांगें लगाकर तेजी से बढ़ी है। गौरतलब है कि विगत 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के अवसर पर वाशिंगटन में अमेरिका के भारतीय मूल के लोगों और प्रवासी भारतीयों से सम्बद्ध अन्य सभी देशों के प्रवासियों से गैर-लाभकारी संस्थाओं के एक संयुक्त संगठन इंडिया फिलांथ्रोपी अलायंस (आईपीए) के तत्वावधान में भारत के विकास और मानव विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिक आर्थिक मदद दिए जाने का निर्णय विभिन्न देशों के प्रवासी भारतीयों के लिए भी प्रेरणादायी बन गया है। आईपीए ने 2 मार्च 2023 को 'इंडिया गिविंग डे' मनाने का निश्चय किया है। अभी तक आईपीए जिस तरह भारत को सहयोग के लिए सालाना करीब एक अरब डॉलर जुटाता है, उसे अगले साल बढ़ाकर 3 अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य तय किया गया है। आईपीए ने कहा कि भारत ने अपनी आजादी के 75 साल का संतोषजनक सफर तय किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत के बढ़ाए गए गौरव और प्रवासी भारतीयों के लिए किए गए विशेष प्रयासों से भारतवंशियों तथा प्रवासियों का भारत के लिए सहयोग लगातार बढ़ा है। ऐसे में अब भारत के तेज विकास और अपने भारतीय समुदाय के करोड़ों जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आईपीए खुले हाथों मदद के लिए आगे बढ़ा है। जिस तरह ब्रिटेन के भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तथा दुनिया में ऊंचाइयों पर दिखाई दे रहे भारतवंशी राजनेताओं और प्रवासी भारतीय उद्यमियों ने भारत के साथ सहयोग के सूत्र आगे बढ़ाए हैं, उससे भी प्रवासी भारतीयों द्वारा स्वदेश की ओर धन प्रेषण, स्नेह व मैत्री में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे प्रभावी राजनेताओं में अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, मॉरीशस में प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ, पुर्तगाल में प्रधानमंत्री एंटोनिया कोस्टा, सिंगापुर में राष्ट्रपति हलीमा याकूब, सूरीनाम में राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, गुयाना में राष्ट्रपति इरफान अली, सेशेल में राष्ट्रपति वावेल रामकलावन आदि दुनियाभर में चमकते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनके अलावा मॉरीशस में राजकेश्वर पुरयाग, अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीनचंद्र राम गुलाम, गुयाना में भरत जगदेव, डोनाल्ड रविन्द्र नाथ रामोतार, दक्षिण अफ्रीका में अहमद कथराडा, सिंगापुर में प्रो. एस. जयकुमार, न्यूजीलैंड में प्रियंका राधाकृष्णन, डॉ. आनन्द सत्यानंद, त्रिनिडाड एवं टोबैगो में कमला प्रसाद बिसेसर, कुराकाओ में यूजीन रघुनाथ आदि नाम उभरकर दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में दुनिया में शीर्ष पर दिखाई दे रहे प्रवासी भारतीय सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, संजय मेहरोत्रा, शांतनु नारायण, दिनेश पालीवाल, अजय बंगा आदि ने भारत के साथ सहयोग के सूत्र मजबूत बनाए हैं। अब जनवरी, 2023 में इंदौर में आयोजित होने वाले 17वें प्रवासी भारतीय दिवस पर प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत के विकास में योगदान हेतु विशेष रणनीतिक पहल की जाने की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। इसमें दो मत नहीं कि भारतीय प्रवासी भारत को धन भेजने के मामले में अन्य सभी देशों के प्रवासियों से बहुत आगे हैं। विश्व बैंक द्वारा जारी 'माइग्रेशन एंड डेवेलपमेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2021 के मुताबिक विदेश में कमाई कर अपने देश में धन (रेमिटेंस) भेजने के मामले में वर्ष 2021 में भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में प्रवासी भारतीयों ने 87 अरब डॉलर धन राशि स्वदेश भेजी है। जहां 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी, वहीं दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में धीमापन आने के कारण भारतीय प्रवासियों की आमदनी में बड़ी कमी आई थी। फिर भी भारतीय प्रवासियों द्वारा पिछले वर्ष भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। उल्लेखनीय है कि अतीत में जब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई तब प्रवासियों ने मुक्त हस्त से विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। जब 11 और 13 मई 1998 को भारत द्वारा किए परमाणु परीक्षण पोखरण-2 के बाद अमेरिका की ओर से भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए गये तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने हेतु अगस्त 1998 में रीसर्जेंट इंडिया बॉन्ड्स की मदद से 4.8 अरब डॉलर की राशि जुटाई गई थी। इसी तरह 2001 में इंडिया मिलेनियम डिपॉजिट स्कीम की मदद से करीब 5 अरब डॉलर राशि जुटाई गई। ऐसे प्रयासों से विदेशी मुद्रा भंडार की चिंताएं कम हुई थी। इस समय आर्थिक एवं वित्तीय चुनौतियों के बीच डॉलर संकट का सामना कर रहे भारत को प्रवासी भारतीयों से सहयोग की जरूरत तीन आधारों पर दिखाई दे रही है। एक, तेजी से घटता विदेशी मुद्रा भंडार, दो विकसित देश बनने के लक्ष्य की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना और तीन, मानव विकास मापदंडों की ऊंचाई बढ़ाना। स्पष्ट है कि इस समय रूस-यूक्रेन युद्ध, क्रूड ऑयल की कीमत बढ़ने और डॉलर की मजबूती से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घटते हुए 530 अरब डॉलर के निचले स्तर पर है। डॉलर की तुलना में लुढ़कते रुपए को बचाने और विकास कार्यों के लिए अधिक विदेशी मुद्रा जरूरी है। वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने का लक्ष्य हासिल करने में प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका हो सकती है। देश में गरीबी, जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य व शिक्षा की चुनौतियों के निराकरण और डिजिटल नई पीढ़ी तैयार करने के लिए प्रवासियों के सहयोग की जरूरत अनुभव की जा रही है।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

मुश्किलों की तपिश से निखरता जीवन

दिनेश चमोला 'शैलेश'

मानव अपनी चारित्रिक विशिष्टता अथवा दुर्बलता के कारण ही संसार में सम्मानित या तिरस्कृत होता है। पहली बार किसी पद, प्रतिष्ठा को पाकर उसकी गरिमा एवं अपने गांभीर्य को बनाए रखने का चातुर्य किसी-किसी में ही होता है। पद पाते ही अहंकार का सारथी उनकी बुद्धि के घोड़े को कुमार्ग पर चलने को प्रेरित करने लगता है जो व्यक्ति के विकास में बाधक है। इसमें नेकनीयती व उपयुक्त परामर्शन की बड़ी भूमिका होती है। प्रसिद्ध विचारक फ्रांसिस बेकन का मानना है 'जो मानव नेक परामर्श देता है, वह एक हाथ से निर्माण करता है, और जो मानव उपयुक्त परामर्श के साथ-साथ दृष्टांत भी देता है, वह दोनों हाथों से निर्माण करता है।' वास्तव में सही परामर्शन किसी में उत्तम चरित्र व मूल्यों के निर्माण में सहायक होता है। लेकिन यह परामर्श देने वाले के बजाय लेने वाले की ग्रहण-क्षमता पर अधिक निर्भर करता है कि वह इसे सकारात्मक दृष्टि से लेता है अथवा नकारात्मक से। किन्तु नकारात्मक परामर्श को भी विवेकशील ग्रहणकर्ता सकारात्मक दृष्टि देकर उत्थान कर सकता है। अप्रत्याशित पद व सत्ता मिलते ही अज्ञानी का अहंकार कुलांचें भरने लगता है। वहीं सत्तासीन होते ही चापलूस किस्म के कृत्रिम बुद्धिजीवी अपने अपरिपक्व परामर्शन से उसे सशक्त करने की होड़ लगाए रहता है। ऐसे में ज्ञान-गहन व्यक्ति सभी के परामर्शन पर चिंतन कर नीति के मुताबिक निर्णय लेता है, जबकि ज्ञानदीन व्यक्ति सत्तासीन होते ही सत्य को पहचान नहीं पाता व खोखला होता रहता है। अपरिपक्व परामर्शन पर आश्रित रहने पर दुर्लभ रूप में मिली सत्ता जाने का खतरा बराबर बना रहता है। स्वस्थ परामर्शन, जहां सुशासन व कारगर नीतियों के कार्यान्वयन के लिए बेहतर होता है, वहीं अनुभव, ज्ञान से अपरिपक्व परामर्श-मंडली, सत्तासीन व्यक्ति को मिले अवसर को खो देने के षड्यंत्र का कारक भी हो सकती है। हर परामर्शदाता मंडली में प्रायः वे लोग भी होते हैं जो औरों को तो परामर्श देते हैं लेकिन स्वयं के लिए उनका परामर्श निरर्थक रहता है। एक बार सत्ता सुख लेने के बाद फिर दूसरे दौर की प्रतीक्षा में जुटे रहते हैं। सबको सफलता की गारंटी देने वाले परामर्शक संशय के चलते स्वयं को कहीं का भी नहीं पाते। जिसका ज्ञानदर्शन अपने लिए कुछ हितकर न कर सका, वह परहित साधने में कैसे सहायक हो सकता है? प्रायः सभी विज्ञजन पहले-पहल अपने क्षेत्र-विशेष में अनविज्ञ ही होते हैं। लेकिन साधना की क्रमबद्धता, ज्ञान पर विश्वसनीयता व परिपक्वता उन्हें विज्ञ बनाते हैं। अनुभव के साथ ही ज्ञान की विश्वसनीयता, अपना रंग जमाने लगती है। उत्तम परामर्श ही सत्ता, प्रतिष्ठा व पद की दीर्घजीविता को बढ़ाता है। परामर्श मंडल जितना प्रबुद्ध व सुशिक्षित होगा, उतना ही संस्था अथवा प्रतिष्ठान का नेतृत्व करने वाले कार्यपालक की स्थिति सुदृढ़ व दीर्घजीवी होगी। सुयोग्य परामर्शन, संस्था की दीर्घजीविता का पर्याय बनकर उसे सही दिशा में आगे बढ़ाकर समाज के गौरव को बढ़ाता है व राष्ट्रीय चरित्र का विकल्प बनता है। वहीं अपरिपक्व परामर्शन किसी भी संस्था के उत्कर्ष को धूल-धूसरित कर देता है। किसी भी संस्था, मंत्रालय अथवा विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा, प्रोन्नति की धुरी व विकास की संपूर्ण संभावनाएं संस्था के नेतृत्वकर्ता व्यक्तित्व के हाथों में निहित रहती है और उसकी प्राणदात्री शक्ति होती है उसकी परामर्श मंडली, जिनके परामर्शों से संस्था का भविष्य बेहतर दृष्टिगोचर होता है। नये नेतृत्व व परामर्शन से संस्था का आमूल-चूल परिवर्तन अथवा पुनर्जीवन संभव है। उसकी अवसंरचनात्मक रूप-सज्जा से लेकर सांस्थानिक, बौद्धिक व वृत्तिमूलक उपलब्धियों में चहुंमुखी परिवर्तन इसी से संभव हो पाता है। अच्छा परामर्शन जहां मानव मूल्यों के संरक्षण एवं राष्ट्र के निर्माण में सहायक सिद्ध हो सकता है, वहीं गलत व कमजोर परामर्शन मूल्य, प्रतिभा, शक्ति व दुर्लभ संसाधनों के क्षरण का पर्याय व कारक भी सिद्ध हो सकता है। उन्नति की ओर अग्रसर होने वाले संस्थान को लक्ष्य से भटकाने का भी कारक हो सकता है लेकिन इसका दारोमदार पदासीन व्यक्ति के चिंतन, कृतित्व व पृष्ठभूमि पर होता है। वास्तव में, विपरीतताएं ही किसी धीर-गम्भीर व्यक्तित्व की चारित्रिक गहनता की परख करती हैं। महापुरुष सामान्य स्थितियों व देशकाल को अविस्मरणीय बना देते हैं जबकि प्रतिभाहीन व्यक्ति, गलत मार्गदर्शन से प्रेरित होकर इसका दुरुपयोग कर सकता है। यह जानना जरूरी है कि उसको मिलने वाला मार्गदर्शन, उसके व्यक्तित्व विकास एवं राष्ट्र के निर्माण में किस हद तक उत्तरदायी है। कहीं कोई कु-मार्गदर्शन, कार्यान्वयन के निकष पर अपने विशिष्ट व्यक्तित्व व आज तक की उपलब्धियों के वैभव को मटियामेट तो नहीं कर देगा? यह विवेकपूर्ण मंथन करना प्रत्येक पद व प्रतिष्ठा को ग्रहण करने वाले व्यक्ति का नैतिक उत्तरदायित्व होना चाहिए। अच्छे परामर्शन पर अवलम्बित आश्रित होता है प्रतिभाओं का भावी जीवन-विकास। महापुरुषों के बारे में बिस्मार्क का कहना है : 'वास्तविक महापुरुष तीन चिह्नों द्वारा जाना जाता है- योजना में उदारता, उसे पूरा करने में मानवता और सफलता में संयम।'

(चिंतन-मनन)

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदशर्न किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आासन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धर्मज क्रॉप का IPO 28 नवंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 216-237 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली: कृषि रसायन कंपनी धर्मज क्रॉप गार्ड ने अपने 251 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 216-237 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में जानकारी दी। आईपीओ 28 नवंबर को खुलकर 30 नवंबर को बंद होगा। बयान में कहा गया है कि आईपीओ के तहत 216 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किये जायेंगे। इसके अलावा, कंपनी के मौजूदा शेयरधारक 14.83 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। अहमदाबाद की कंपनी को निर्गम से 251.15 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग गुजरात गुजरात के भरूच में एक विनिर्माण संयंत्र, कार्यशील पूंजी की जरूरतों, कर्ज भुगतान और अन्य सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

आईनॉक्स ग्रीन का शेयर पहले दिन करीब नौ प्रतिशत टूटा

नयी दिल्ली। आईनॉक्स विंड की अनुषंगी कंपनी आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज की बाजार में शुरुआत बुधवार को कमजोर रही और कारोबार के पहले दिन शेयर 65 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब नौ प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी का शेयर बीएसई में 6.92 प्रतिशत के नुकसान के साथ 60.50 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 10 प्रतिशत गिरकर 58.50 रुपये प्रति शेयर के भाव पर आ गया था और अंत में नौ फीसदी के नुकसान के साथ 59.20 रुपये पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई में भी कंपनी का शेयर 7.69 प्रतिशत के नुकसान के साथ 60 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में यह 8.84 फीसदी की गिरावट के साथ 59.25 रुपये पर बंद हआ। आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 1.55 गुना अभिदान मिला था। इसके आईपीओ में 370 करोड़ रुपये तक नये शेयर और 370 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 61-65 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

स्वास्थ्य पेशेवरों का नेटवर्क बनाने में एचपीआर का इस्तेमाल करें बीमा कंपनियां: इरडा

नयी दिल्ली । भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों से ओपीडी और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए डॉक्टरों या अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों का नेटवर्क बनाने को लेकर स्वास्थ्य पेशेवर रजिस्ट्री (एचपीआर) का लाभ उठाने को कहा है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने स्वास्थ्य पेशेवर रजिस्ट्री (एचपीआर) को शामिल किया है। यह सुविधा आधुनिक और पारंपरिक दोनों चिकित्सा प्रणालियों में स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति में शामिल सभी स्वास्थ्य पेशेवरों का एक व्यापक भंडार है। इरडा ने परिपत्र में कहा, ''स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों की पेशकश करने वाले सामान्य और स्वास्थ्य बीमाकर्ता भी ओपीडी या अन्य स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए डॉक्टरों/चिकित्सकों या अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों का नेटवर्क स्थापित करने के लिए स्वास्थ्य पेशेवर रजिस्ट्री का लाभ उठाने पर विचार कर सकते हैं।'' परिपत्र के अनुसार, यह डिजिटलीकरण को सक्षम करेगा और पॉलिसियों को खरीदने और बेचने की प्रक्रिया को आसान करने के साथ स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच एचपीआर पंजीकरण को बढ़ावा देगा। एचपीआर के तहत, चिकित्सीय योग्यता के साथ आधार या अन्य केवाईसी के जरिये स्वास्थ्य पेशेवर आईडी (एचपीआईडी) बनाई जाती है। एचपीआईडी को संबंधित राज्य चिकित्सा परिषदों द्वारा भी सत्यापित किया जाता है।

वैश्विक स्तर पर मजबूती के रुख से सेंसेक्स 92 अंक चढ़कर 61,500 अंक के पार

मुंबई: (एजेंसी)

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 92 अंक की बढ़त में रहा। वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख के बीच बैंक शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 91.62 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61,510.58 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 361.94 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23.05 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,267.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, डॉ. रेड्डीज, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, मारुति, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। वहीं नुकसान में रहने वाले शेयरों में पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, टाइटन, भारती एयरटेल और बजाज फिनसर्व शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक रुख सकारात्मक रहने के साथ घरेलू शेयर बाजार सतर्कता के साथ लाभ में रहे। वास्तव में निवेशकों को फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे की प्रतीक्षा है। डॉलर सूचकांक में कमी और बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट से कुछ समय के लिए राहत मिली है। लेकिन एफआईआई के अप्रत्याशित रुख से निवेशक बाजार से दूर दिखे।'' मेहता इक्विटीज लि. के शोध

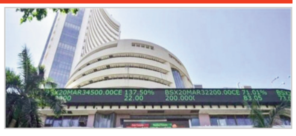

विश्लेषक और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तपसे ने कहा, ''एफओएमसी की बैठक का ब्योरा जारी होने से पहले उतार-चढ़ाव के बीच बाजार में हल्की तेजी रही। नवंबर महीने में वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों को पूरा करने के अंतिम दिन होने के बावजूद निवेशक बाजार से दूर रहे।''

रुपये 18 पैसे की गिरावट के साथ 81.85 प्रति डॉलर पर

मुंबई, कच्चे तेल कीमतों में सुधार आने और आयातकों की डॉलर मांग के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 81.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी पूंजी की सतत निकासी और चीन में कोविड-19 के बढ़ते मामले से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.81 पर खुला। कारोबार के दौरान रुपया 81.74 के दिन के उच्चस्तर और 81.87 के निचले स्तर को छूने के बाद अंत में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ 81.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया मंगलवार को 81.67 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की कमजोरी या मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.99 रह गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.91 प्रतिशत बढ़कर 89.16 डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 91.62 अंक की तेजी के साथ 61,510.58 अंक पर बंद हुआ।

आसमान से गिरे जेट एयरवेज के शेयर, एक साल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर भाव

(एजेंसी) रनवे पर लौटने की कोशिशों में लगी घरेलू विमानन कंपनी जेट एयरवेज के शेयरों में 23 नवंबर को लगातार तीसरे दिन लोअर सर्किट लगा है। इन तीन दिनों में यह 15 फीसदी टूट चुका है और अब एक साल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर फिसल चुका है। एक महीने में अभी यह 30 फीसदी गिर चुका है। अभी यह बीएसई पर 65.95 रुपए के भाव में मिल रहा है। बता दें कि कंपनी वित्तीय दबावों से जूझ रही है और यह लगातार ट्रैक पर आने की कोशिश कर रही है लेकिन सफल नहीं हो पा रही है। वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर 2022 में कंपनी का घाटा सालाना आधार पर 60.78 करोड़ रुपए से बढ़कर 308.24 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

Jet Airways हो चुकी है दिवालिया

करीब तीन साल पहले वर्ष 2019 में जेट एयरवेज दिवालिया होने के चलते बंद हो गई थी। अक्टूबर 2020 में इसे बचाने के लिए नीलामी हुई थी जिसे जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने जीत लिया था लेकिन कंपनी की सेहत में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने एनसीएलएटी (नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल) से 250 करोड़ रुपए के पीएफ और ग्रेच्यूटी के बकाए की अतिरिक्त राशि का भुगतान करने में असमर्थता जताई है।

भारत 2022-23 में जी20 समूह में सऊदी अरब के बाद तेजी से वृद्धि करती अर्थव्यवस्था होगा

लंदन: (एजेंसी)

विकसित औद्योगिक देशों के संगठन (ओईसीडी) का अनुमान है कि भारत वित्त वर्ष 2022-23 में जी20 समूह में सऊदी अरब के बाद सबसे तेजी से वृद्धि करती अर्थव्यवस्था होगा। रूस यूक्रेन लड़ाई के कारण कच्चे तेल के बाजार में आए उबाल से परेशान पूरी दुनिया इस समय मुद्रास्फीति के भारी दबाव और आर्थिक गतिविधियों में नरमी के दौर से गुजर रही है। पेरिस स्थित संगठन ओईसीडी ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मांग नरम हो रही है और केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीतियों को सख्त करते जा रहे हैं, इसके बावजूद भारत चालू वित्त वर्ष में जी20 समूह की अर्थव्यवस्थाओं में दूसरे नंबर की सबसे तीव्र वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्था रहेगा। ओईसीडी की ताजा इकोनामिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर निर्यात में और घरेलू अर्थव्यवस्था में मांग के हल्का होने के चलते घटकर 5.7 फीसदी रहेगी, बावजूद इसके भारत की आर्थिक वृद्धि दर अगले वर्ष चीन और सऊदी अरब से ऊपर ही रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में 6.6 फीसदी की वृद्धि हासिल करने के बाद 2023 में भारत की वृद्धि गिरकर 5.7 फीसदी पर आ जाएगी लेकिन 2224-25 में यह फिर बढ़कर सात फीसदी तक जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है भारत में मुद्रास्फीति कम से कम 2023 के शुरुआती महीनों तक रिजर्व बैंक के ऊपरी सहनीय छह फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी रहेगी। रिपोर्ट में वित्तीय क्षेत्र में भारत द्वारा हाल के वर्षों में की गई प्रगति का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है और कहा गया है कि वित्तीय सेवाएं आबादी के एक बड़े हिस्से तक पहुंचने लगी हैं और आज इसका लाभ आर्थिक सामाजिक रूप से अभाव में गुजर रहे लोगों तक पहुंच रहा है। इस संबंध में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और अन्य डिजिटल वित्तीय प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का भी उल्लेख किया गया है जिससे लेनदेन की लागत कम हुई है, लेकिन रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में दक्षता सुधार, जवाबदेही, सार्वजनिक व्यय में पारदर्शिता और स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में सार्वजनिक बढ़ाने और राजकोषीय मजबूती की दिशा में काफी काम करने की जरूरत है। ओईसीडी की इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर इस वर्ष 3.1 फीसदी और 2023 में 2.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है ।

यात्रा, खरीदारी पर खर्च करना चाहते हैं 80प्रतिशत परिवार: सर्वे

नई दिल्ली: (एजेंसी)

देश के 80 प्रतिशत से अधिक लोगों की छुट्टियों का सीजन अपने परिवार के साथ मनाने का इरादा है और वे यात्रा तथा खरीदारी पर सबसे अधिक खर्च करने के इच्छुक हैं। एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। अमेरिकन एक्सप्रेस की रुझान को दर्शाने वाली रिपोर्ट एमेक्स ट्रेंडेक्स के अनुसार, करीब 88 प्रतिशत भारतीय इस बात से सहमत हैं कि वे इस छुट्टियों के मौसम में ऑनलाइन खरीदारी के लिए क्रेडिट कार्ड अवॉर्ड पाना चाहते हैं। हालांकि, सर्वेक्षण में लोगों की संख्या का उल्लेख नहीं किया गया था। सर्वे के अनुसार, '87 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ताओं ने इस बात पर सहमति जताई है कि वे अपने प्रियजनों के साथ विशेष समय बिताने की इच्छा के साथ छुट्टियों के मौसम में यात्रा करने की परंपरा को शुरू करने या फिर से शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं।' एमेक्स ट्रेंडेक्स ने कहा कि भारतीय उपभोक्ताओं के लिए स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करना महत्त्वपूर्ण रहा क्योंकि 10 में से छह लोग 2021 की तुलना में इन छुट्टियों में छोटे व्यवसायों पर अधिक खर्च करने की योजना बना रहे हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉरपोरेशन इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजय खन्ना ने कहा, 'हमने इस छुट्टियों के मौसम में भारतीय

उपभोक्ताओं के खर्च करने के तरीके में मजबूत बदलाव देखा है। एक तो वे अपना समय परिवार और दोस्तों के साथ बिताना चाहते हैं। इसके अलावा वे सोच-विचार के साथ टिकाऊ स्थानीय उत्पाद उपहार में देना चाहते हैं, जिसे छोटे दुकानदारों को समर्थन मिलेगा।'

अथर एनर्जी तीसरा संयंत्र लगाएगी, परिचालन अगले वित्त वर्ष के अंत तक शुरू होगा

बेंगलुरु,

इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी अथर एनर्जी अपने तीसरे विनिर्माण संयंत्र के लिए स्थान का चुनाव जल्द ही कर लेगी और बढ़ती मांग के मद्देनजर संयंत्र में परिचालन अगले वित्त वर्ष के अंत तक शुरू कर देगी। कंपनी के सह-संस्थापक स्वप्निल जैन ने यह जानकारी दी। अथर एनर्जी मौजूदा समय में 450एक्स और 450प्लस नाम से दो इलेक्ट्रिक स्कूटरों की पेशकश करती है। कंपनी को उम्मीद है कि तमिलनाडु में 4.2 लाख इकाई सालाना की मौजूदा क्षमता अगले वित्त वर्ष तक कम पड़ जाएगी। अथर ने तमिलनाडु के होसुर में अपने दूसरे संयंत्र का औपचारिक उद्घाटन बुधवार को किया। हालांकि इसमें परिचालन अक्टूबर में शुरू हो चुका है। अब होसुर में कंपनी के दो संयंत्र हैं जिनमें से एक में वाहन विनिर्माण होता है और दूसरे में बैटरियां बनती हैं। जैन ने कहा, ''अगले वित्त वर्ष के अंत तक होसुर से होने वाला उत्पादन काफी नहीं होगा और हमें नया संयंत्र लगाना पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में स्थान का चयन कर लेगी। संयंत्र लगाने के लिए कंपनी की महाराष्ट्र और कर्नाटक सरकार समेत अलग-अलग राज्यों की सरकारों से बात चल रही है।

ट्विटर, मेटा के बाद HP ने किया छंटनी का ऐलान, 6000 कर्मचारियों की नौकरी खतरे में

(एजेंसी)

दुनिया भर की टेक कंपनियों में छंटनी का हड़कंप मचा हुआ है। मेटा, ट्विटर, अमेजन के बाद अब एक और बड़ी कंपनी ने नौकरियों में कटौती का फैसला किया है। लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता एचपी इंक से लगभग 6,000 कर्मचारियों को निकाल सकती है। हालांकि, राहत की बात यह है कि कंपनी तुरंत एक साथ छंटनी नहीं करेगी। बल्कि छंटनियों का यह दौर 2025 के अंत तक जारी रह सकता है। एचपी इंक में वर्तमान में लगभग 50,000 लोग काम कर रहे हैं। 6,000 की छंटनी का मतलब यह की कंपनी अपनी ग्लोबल वर्कफोर्स में 12 फीसदी की कटौती करेगी। कंपनी ने घोषणा की है कि वह आने वाले वर्षों में लगभग 4,000 से 6,000 कर्मचारियों को निकाल देगी। एचपी ने अपनी वित्तीय वर्ष 2022 की अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है। कहा गया है, 'कंपनी को लगभग 4,000-6,000 कर्मचारियों को विश्व स्तर पर कम करने की उम्मीद है। इस कार्यों के वित्त वर्ष 2025 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।'

क्यों छंटनी पर उतारू हैं कंपनियां

महामारी के दौरान पीसी और लैपटॉप सेगमेंट की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया था लेकिन अब यह ठंडा पड़ गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नौकरियों में कटौती का फैसला लिया है। यही हाल, बाकी कंपनियों का भी है, जिन्होंने कोरोना के वक्त लॉकडाउन और वर्क फ्रॉम होम के चलते खूब चांदी काटी और अब जबकि सबकुछ खुलने लगा है तो ये कंपनियां छंटनी कर रही हैं। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में मुद्रास्फीति और मंदी की चिंता भी निर्णायक कारकों में से एक हो सकती है। इन स्थितियों को देखते हुए, **HP** इंक को पहली तिमाही में उम्मीद से कम मुनाफा होने की उम्मीद है।

सितंबर में दूरसंचार कंपनियों के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 36 लाख घटी: ट्राई

(एजेंसी)

देश में दूरसंचार कंपनियों के कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या में इस साल सितंबर के दौरान 36 लाख की कमी आई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या में गिरावट आई है जबकि रिलायंस जियो और भारती एयरटेल ने अगस्त की तुलना में सितंबर में नए ग्राहक जोड़े हैं। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने सितंबर के दौरान 7.2 लाख ग्राहक जोड़कर बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत किया। भारती एयरटेल के कनेक्शनों की संख्या में भी 4.12 लाख की वृद्धि हुई है। जियो ने अगस्त में 32.81 लाख नए ग्राहक जोड़े थे जो सितंबर की तुलना में काफी अधिक है। वहीं, वोडाफोन आइडिया का ग्राहक आधार सितंबर के दौरान 40 लाख घटकर 24.91 करोड़ का रह गया। ट्राई ने सितंबर के आंकड़े जारी करते हुए कहा, ''अगस्त, 2022 के अंत में दूरसंचार कंपनियों के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 114.91 करोड़ थी। यह सितंबर के अंत में 0.32 प्रतिशत घटकर 114.54 करोड़ रह गई।'' कुल मिलाकर सितंबर, 2022 के अंत में भारत में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या (मोबाइल और फिक्स्ड-लाइन एक साथ) घटकर लगभग 117.19 करोड़ रह गई। इसमें मासिक आधार पर 0.27 प्रतिशत की गिरावट आई है। ट्राई ने बताया कि सितंबर, 2022 के अंत में कुल ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या अगस्त की तुलना में 0.28 प्रतिशत बढ़कर 81.6 करोड़ पर पहुंच गई है।

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स में शामिल हुई मीशो

नई दिल्ली:

ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने छोटे क्षेत्र के विक्रेताओं (हाइपरलोकल) के साथ खरीदारों को जोड़ने के लिए सरकार की पहल 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' (ओएनडीसी) के साथ अपने एकीकरण की घोषणा की। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ओएनडीसी की एक पायलट परियोजना चला रही है, जहां सभी ई-कॉमर्स कंपनियां प्रतिस्पर्धी कीमतों पर वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा उपलब्ध कराएंगी, जिससे विक्रेताओं एवं उपभोक्ताओं पर लागत का बोझ घटेगा। मीशो के साथ पायलट को पहले बेंगलुरु में शुरू किया जाएगा और आने वाले महीनों में धीरे-धीरे अन्य स्थानों पर इसका विस्तार होगा। हर किसी के लिए ई-कॉमर्स को सुलभ बनाने के मीशो के उद्देश्य के अनुरूप, यह एकीकरण छोटे क्षेत्र के आपूर्तिकर्ताओं के लिए व्यापक बाजार बनाते हुए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की खोज को बढ़ावा देगा। मीशो के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदित आत्रे ने बयान में कहा, ''यह एकीकरण छोटे विक्रेताओं को सशक्त बनाने और छोटे क्षेत्र के व्यवसायों को बढ़ावा देने के एक साझा लक्ष्य के साथ हर किसी के लिए इंटरनेट आधारित कारोबार को लोकतांत्रिक बनाने के हमारे प्रयासों को बढ़ावा देगा।''

ओएनडीसी के सीईओ टी कोशी ने कहा, ''ई-कॉमर्स भारत में अब भी काफी 'छोटा'' है और मीशो जैसे नए युग के मंच इस यात्रा में ओएनडीसी के लिए मजबूत नेटवर्क भागीदार होंगे।''

बजट-पूर्व बैठक में किसान संगठनों की गेहूं, अन्य कृषि जिंसों के निर्यात पर रोक हटाने की मांग

(एजेंसी)

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट-पूर्व बैठक में किसान संगठनों ने मंगलवार को सरकार से गेहूं, अन्य कृषि वस्तुओं पर निर्यात प्रतिबंध हटाने का आग्रह करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम लागत वाले उत्पादों के आयात को प्रतिबंधित करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को पामतेल के बजाय सोयाबीन, सरसों, मूंगफली और सूरजमुखी जैसे स्थानीय तिलहनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। वित्त मंत्री के साथ वर्चुअल बैठक के दौरान किसान संगठनों ने प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर ऊंचा कर लगाने का भी सुझाव दिया। वित्त मंत्री ने यहां कृषि विशेषज्ञों और कृषि प्रसंस्करण उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ अपनी तीसरी बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। आम बजट 2023-24 के लिए अपनी इच्छा सूची में भारत कृषक समाज के अध्यक्ष अजय वीर जाखड़ ने मांग की कि सरकार को ''जहां आयातित जिंसों की देश में आने की लागत एमएसपी से कम है, वहां ऐसी उपज के आयात की अनुमति नहीं देनी चाहिए।'' उन्होंने केंद्र से कृषि क्षेत्र में मानव संसाधन विकास पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। जाखड़ ने किसानों को उच्चतम मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए खेतों से स्वैच्छिक कार्बन क्रेडिट का विश्वस्तर पर व्यापार करने की अनुमति देने की भी वकालत की। बैठक में हिस्सा लेने वाले कंसोर्टियम ऑफ इंडियन फार्मर्स एसोसिएशन (सीआईएफए) के अध्यक्ष रघुनाथ दादा पाटिल ने कहा कि गेहूं और टूटे चावल जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पाटिल ने कहा कि बैठक के दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को कृषि उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। उनके अनुसार, निर्यात से केवल देश को विदेशी मुद्रा प्राप्त करने में ही सहायता मिलेगी। भारत ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए गेहूं और टूटे चावल के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया है। खाद्य तेलों के आयात पर देश की निर्भरता कम करने के लिए पाटिल ने सुझाव दिया कि सोयाबीन, सूरजमुखी और मूंगफली के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। वित्त मंत्री सीतारमण एक फरवरी, 2023 को अगला आम बजट पेश करेंगी।

टी 20 रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव का दबदबा बरकरार, 890 अंकों के साथ नंबर एक पर हैं काबिज, रिजवान काफी पीछे

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का टी20 रैंकिंग में दबदबा बरकरार है। हाल में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने तीन मैचों की श्रृंखला को 1-0 से जीता था। इस श्रृंखला में सूर्यकुमार यादव ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की थी। दूसरे मुकाबले में उन्होंने शतक भी जड़ा था। उन्हें इस श्रृंखला में मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। आईसीसी की ओर से जारी ताजा रैंकिंग के मुताबिक सूर्यकुमार यादव के पास 890 अंक हैं और वह ञ्20 रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार है। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान है जिनके पास 836 अंक है। यादव ने माउंट माउंगानुई में दूसरे मैच के दौरान शानदार नाबाद 111 रनों की पारी खेली। इसके बाद वह 895 अंकों के स्कोर तक पहुंच गए थे।

नेपियर में तीसरे और अंतिम टी20 में सिर्फ 13 रन की पारी ने यादव की रेटिंग को 890 अंक तक गिरा दिया, लेकिन अभी भी वह ञ्20 में नंबर एक पर बने हुए हैं और रिजवान उनसे 54 अंक पीछे हैं। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे 788 के साथ तीसरे नंबर पर हैं और वह बाबर आजम से आगे लिकल गए हैं। बाबर आजम के पास 778 है। भारत के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन 10 स्थान की छलांग लगागर 33वें पायदान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की सूची में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार दो पायदान चढ़कर 11वें जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक पायदान ऊपर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। स्पिनर युजवेंद्र चहल आठ पायदान की छलांग लगाकर 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय दिग्गज विराट कोहली एकदिवसीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान के साथ शीर्ष भारतीय है। कप्तान रोहित शर्मा आठवें पायदान पर बरकरार है। चोटिल जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की सूची में 11वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और ट्रेविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पर 269 रन की शानदार साझेदारी के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में दमदार प्रदर्शन करने वाले स्टीव स्मिथ भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग सातवें स्थान की बराबरी करने में सफल रहे।

नीदरलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया डेविस कप सेमीफाइनल में पहुंचा

मलागा (एजेंसी)। एलेक्स डी मिनौर और जॉर्डन थॉम्पसन अपने एकल मैच जीते जिससे ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड को हराकर 2017 के बाद पहली बार डेविस कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। डी मिनौर ने दूसरे एकल मैच में बोटिक वैन डे जैंडस्चुलप को 5-7, 6-3, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से अजेय बढ़त दिलाई।

सेमीफाइनल में उसका मुकाबला स्पेन या क्रोएशिया से होगा। इससे पहले जॉर्डन थॉम्पसन ने टालोन ग्रिक्सपुर को 4-6, 7-5, 6-3 से हराकर ऑस्ट्रेलिया को 1-0 की बढ़त दिलाई थी। ऑस्ट्रेलिया डेविस कप में सबसे सफल टीमों में दूसरे स्थान पर है। उसने अब तक 28 खिताब जीते हैं लेकिन आखिरी बार वह 2003 में खिताब जीत पाया था।

बांग्लादेश दौरे से पहले टीम इंडिया को लग सकता है बड़ा झटका, रविंद्र जडेजा की फिटनेस को लेकर संशय बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया फिलहाल न्यूजीलैंड दौरे पर टीम टी20 मैचों की सीरीज को भारत ने 1-0 से जीता है। अब तीन एकदिवसीय मुकाबले भी खेलने है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम सीधे बांग्लादेश जाएगी। टीम के साथ सीनियर खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे। इन सबके बीच बांग्लादेश दौरे से पहले भारत को बड़ा झटका लग सकता है। खबरों के मुताबिक टीम के सीनियर खिलाड़ी रविंद्र जडेजा अभी भी पूरी तरीके से फिट नहीं हुए हैं। जिसकी वजह से उन्हें बांग्लादेश दौरे से बाहर रहना पड़ सकता है। हालांकि, इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। 14 दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच होने हैं जिसमें रविंद्र जडेजा का हिस्सा लेना मुश्किल नजर आ रहा है। भारत के लिए यह टेस्ट सीरीज काफी महत्वपूर्ण है।

अगर इस टेस्ट सीरीज में रविंद्र जडेजा हिस्सा नहीं लेते हैं तो भारत के लिए यह बड़ा झटका माना जाएगा। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि अगर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को आगे बढ़ना है और फाइनल तक पहुंचना है तो उसे जीत हासिल करनी होगी। ऐसे में रविंद्र जडेजा टीम इंडिया के लिए एक अहम कड़ी साबित हो सकते थे। एशिया कप के दौरान रविंद्र जडेजा के घुटने में चोट लगी थी जिसकी वजह से बीच टूर्नामेंट में ही उन्हें बाहर होना पड़ा था। बाद में वह टी-20 विश्वकप का भी हिस्सा नहीं बन पाए। बांग्लादेश टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए रविंद्र जडेजा को टीम में शामिल किया गया था। रविंद्र जडेजा ने घुटनों की सर्जरी करवाई थी। कुछ दिन आराम के बाद वह बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी भी पहुंचे थे। इसी के बाद उन्हें टीम में चुना गया है।

कप्तान के रूप में परिपक्व हो गया हूं, कड़े फैसले ले सकता हूं, आईपीएल से पहले शिखर धवन का बयान

नयी दिल्ली(एजेंसी)। शिखर धवन के लिए हिचकिचाहट और फैसले लेने में अनिश्चितता अब बीती बात हो गई है और वह कप्तान के रूप में ऐसे निर्णय करने में नहीं हिचकिचाते हैं जो किसी खिलाड़ी को भले ही अच्छा न लगे लेकिन उससे टीम को फायदा पहुंचता है। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रंखला में भारतीय टीम की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। यह पहला अवसर नहीं है जबकि धवन टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पहले भी वह कुछ अवसरों पर भारत की दूसरी श्रेणी की टीम की अगुवाई कर चुके हैं।

उनके नेतृत्व में भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 3-2 से और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की थी। टीम को उनके कप्तान रहते हुए वेस्टइंडीज से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दिल्ली के इस बल्लेबाज ने कहा कि समय के साथ उनकी निर्णय लेने की क्षमता में सुधार हुआ है। धवन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा,'' आप जितना अधिक खेलते हैं, आप अपने फैसलों को लेकर उतने अधिक आश्वस्त रहते हैं। इससे पहले ऐसे भी मौके आते थे जबकि मैं किसी गेंदबाज के प्रति सम्मान दिखाते हुए उसे अतिरिक्त ओवर दे देता था लेकिन अब मैं परिपक्व हो गया हूं और अगर किसी को बुरा भी लगे तब भी मैं वह फैसला करूंगा जिससे टीम को फायदा पहुंचे।'' नेतृत्व कौशल को लेकर आगे बात करते हुए धवन ने कहा कि संतुलन बनाए रखना और खिलाड़ियों का भरोसा जीतना महत्वपूर्ण होता है। वह बमुश्किल ही दबाव महसूस करते हैं और अपने आसपास का माहौल खुशनुमा रखते हैं।

धवन ने कहा,'' जब आप किसी तार वाले वाद्य यंत्र पर संगीत बजाते हैं तो यदि तार बहुत ढीला है तो उसका स्वर अच्छा नहीं आएगा या यदि तार बहुत कसा गया है तो वह टूट जाएगा। इसलिए यह संतुलन पैदा करने से जुड़ा हुआ है। कप्तान के रूप में संतुलन पैदा करना महत्वपूर्ण होता है।'' उन्होंने कहा,'' आपको यह पता होना चाहिए कि कब तार को कसना है और कब उसे थोड़ा ढीला छोड़ना है। यह समय पर निर्भर करता है। इस स्तर पर मैं यह भी समझ गया हूं कब खिलाड़ियों से कैसी बात करनी है और कितनी बात करनी है।'' उन्होंने कहा,'' अगर किसी गेंदबाज की गेंद पर शॉट लगता है तो यह जानना महत्वपूर्ण होता है कि उससे कब बात करनी है। जब माहौल में गर्मी हो तो मैं तब उससे बात नहीं करूंगा। इसके बजाय मैं उससे बाद में सहजता से बात करूंगा।''

धवन ने कहा,'' यह इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस स्तर पर कप्तानी कर रहे हैं। यदि यह आईपीएल है तो अधिकतर खिलाड़ी परिपक्व होते हैं, इसलिए आपको यह सोचना पड़ेगा तार कसना है या नहीं। रणजी ट्रॉफी में कुछ अवसरों पर आपको दृढ़ता दिखानी होती है क्योंकि उस स्तर पर कुछ खिलाड़ी कच्चे घड़े की तरह होते हैं और आपको उन्हें ढालने के लिए दृढ़ बनना पड़ता है। संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है।'' इस 36 वर्षीय खिलाड़ी को हाल में इंडियन प्रीमियर लीग की टीम पंजाब किंग्स का कप्तान नियुक्त किया गया था।

विश्व युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में सात भारतीयों के पदक पक्के

नई दिल्ली ।मौजूदा युवा एशियाई चैम्पियन रवीना, विश्वनाथ सुरेश और वंशज उन सात भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने स्पेन के ला नुसिया में चल रही विश्व युवा पुरुष एवं महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्के किए। अंतिम चार में जगह बनाने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में भावना शर्मा (48 किग्रा), कुंजारानी देवी थोंगम (60 किग्रा), लशु यादव (70 किग्रा) और आशीष (54 किग्रा) शामिल हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए भारत की चार महिला खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में अपने मुकाबले 5-0 के समान अंतर से जीते। रवीना ने जहां 63 किग्रा मुकाबले में रोमानिया की एलेक्जेंड्रा क्रेटू को हराया, वहीं भावना ने वेनेजुएला की एविमिर ब्रिटो को, कुंजारानी ने कजाकिस्तान की एगेरिम कबदोल्डा को और लशू ने मैक्सिको की जुजेट हर्नांडेज का शिकस्त दी। भारतीय महिला खिलाड़ियों में केवल ग्रिविया देवी हुइड्रोम (54 किग्रा)को ही हार का सामना करना पड़ा। उन्हें कजाकिस्तान की एलिना बजरोवा से 5-0 से पराजित किया। इस बीच भारतीय पुरुषों के लिए यह मिश्रित सफलता वाला दिन रहा। भारत के पांच पुरुष मुक्केबाजों में से तीन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्वनाथ (48 किग्रा) और वंशज (63.5 किग्रा) ने क्रमश: ऑस्ट्रेलिया के जे केर और किर्गिस्तान के उमर लिवाजा पर सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। आशीष ने स्कॉटलैंड के आरोन कुलेन 4-3 हराया। इस मुकाबले की समीक्षा की गई जिसके बाद भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया गया। भारतीय पुरुष मुक्केबाजों में दीपक (75 किग्रा) और मोहित (86 किग्रा) क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए। सेमीफाइनल बुधवार को जबकि फाइनल शुक्रवार और शनिवार को होंगे।

आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर ने राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ियों को कहा 'कायर', बोले- ये खिलाड़ी करते थे ड्रेसिंग रूम की बाते लीके

आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर ने राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ियों को 'कायर' करार देते हुए कहा कि ये खिलाड़ी उनके सामने अच्छा व्यवहार करते थे लेकिन पीठ पीछे ड्रेसिंग रूम की बातों को बाहर लीक करते थे। ऑस्ट्रेलिया को घरेलू धरती पर एशेज में 4-0 से जीत और पिछले साल टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले को 52 वर्षीय लैंगर ने इस साल फरवरी में मुख्य कोच पद छोड़ दिया था क्योंकि क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने उनके अनुबंध को लंबे समय तक बढ़ाने से इंकार कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया के सीनियर खिलाड़ियों जैसे आरोन फिंच, पैट कमिंस और पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन ने लैंगर की कोचिंग शैली की आलोचना की थी। न्यूज़ कॉर्प मीडिया के अनुसार लैंगर ने कहा,'' मेरे सामने सभी अच्छा व्यवहार करते थे, लेकिन मैं अखबारों में और ही कुछ पढ़ रहा था। मैं ईश्वर और अपने बच्चों की सौगंध खाता हूं कि समाचार पत्र जो कुछ लिख रहे थे उस पर मुझे विश्वास नहीं हो पा रहा था। कई पत्रकार सूत्रों का हवाला दे रहे थे। मैं कहूंगा कि इस शब्द को बदल कर कायर कर दें।'' उन्होंने कहा,'' क्योंकि 'सूत्रों ने कहा' का क्या मतलब है। या तो वे किसी से बदला चुकता करने के लिए ऐसा कर रहे हैं और आपके सामने कहने से डर रहे हैं या फिर वह अपना एजेंडा आगे ले जाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। मुझे इन सब चीजों से नफरत है।'' टी20 विश्वकप से पहले लैंगर की कोचिंग शैली के कारण ड्रेसिंग रूम में असंतोष की कई रिपोर्ट सामने आई थी।

विजय हजारे ट्रॉफी : तमिलनाडु और केरल ग्रुप सी से क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

बेंगलुरू(एजेंसी)। तमिलनाडु और केरल ने बुधवार को यहां अपना मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने के बाद विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के नॉकआउट में जगह बनाई। तमिलनाडु ने टॉस जीतकर केरल को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया जिसने वत्सल गोविंग की 126 गेंद में छह चौकों से 95 रन की पारी की बदौलत 50 ओवर में आठ विकेट पर 287 रन का स्कोर खड़ा किया। विष्णु विनोद (45), अब्दुल बासित (41) और रोहन कुन्नुमल (39) ने भी उपयोगी पारियां खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सभी की नजरें पिछले मैच में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली एन जगदीशन और बी साई सुदर्शन की तमिलनाडु की सलामी जोड़ी पर थी। सुदर्शन हालांकि सिर्फ पांच रन बनाने के बाद वैसाख चंद्रन का शिकार बने। टीम का स्कोर हालांकि जब सात ओवर में एक विकेट पर 43 रन था तब बारिश आ गई और मैच रद्द करना पड़ा। पिछले मैच में अरूणाचल प्रदेश के खिलाफ विश्व रिकॉर्ड 277 रन बनाने वाले जगदीशन इस समय 21 गेंद में तीन चौकों की मदद से 23 रन बनाकर खेल रहे थे।

जगदीशन और सुदर्शन ने बुधवार को लिस्ट ए में विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए पहले विकेट के लिए 416 रन की साझेदारी की थी। तमिलनाडु सात मैच में पांच जीत और दो मैच बेनतीजा रहने के बाद 24 अंक के साथ शीर्ष पर रहा। केरल ने 20 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। केरल ने चार जीत हासिल की और उसके दो मैच बेनतीजा रहे। टीम को एक मैच में हार का सामना करना पड़ा। आंध्र को बुधवार को अपने अंतिम मैच में छत्तीसगढ़ के खिलाफ आठ विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी जिससे उसकी अगले चरण में जगह बनाने की उम्मीद टूट गई। टीम ने 18 अंक हासिल किए। ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण तमिलनाडु ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि केरल प्री क्वार्टर फाइनल में खेलेगा।

हार्दिक पांड्या ने कहा कि इस विकेट पर आक्रमण करना सबसे अच्छा बचाव था

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने 18 गेंद पर नाबाद 30 रन बनाकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित तीसरे एवं अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को टाई कराने में अहम भूमिका निभाने के बाद मंगलवार को यहां कहा कि इस विकेट पर आक्रमण ही सबसे अच्छा बचाव था। भारत ने 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 2.5 ओवर में 21 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। पंड्या ने इसके बाद आक्रामक पारी खेली जिससे भारत ने बारिश आने तक चार विकेट पर 75 रन बनाए थे जोकि डकवर्थ लुईस पद्धति से बराबरी का स्कोर था।

भारत में इस तरह से यह श्रृंखला 1-0 से जीती। पंड्या ने मैच के बाद कहा, '' मैं पूरा मैच खेल कर जीत हासिल करना पसंद करता लेकिन ऐसा होता है। मुझे लगा कि इस विकेट पर आक्रमण ही सबसे अच्छा बचाव है।'' उन्होंने कहा,'' हम जानते थे कि उनके पास किस तरह का गेंदबाजी आक्रमण है इसलिए 10 से 15 अतिरिक्त रन बनाना महत्वपूर्ण था भले ही हमने कुछ विकेट गंवा दिए थे।''

पंड्या ने कहा,'' इस तरह के मैचों में हमें कुछ खिलाड़ियों को आजमाने का मौका मिलता है लेकिन मौसम पर हमारा नियंत्रण नहीं है। अब मैं घर लौट जाऊंगा और कुछ समय अपने बेटे के साथ बिताऊंगा।'' न्यूजीलैंड के कार्यवाहक कप्तान टिम साउदी ने स्वीकार किया उनकी टीम बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी लेकिन उन्होंने तीन विकेट जल्दी निकालने के लिए गेंदबाजों की प्रशंसा की।

साउदी ने कहा,'' बल्लेबाजी में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा। हमने इसके बाद जल्दी-जल्दी विकेट लेने को लेकर बात की। हम जानते थे कि अगर हम शुरू में विकेट हासिल कर देते हैं तो फिर कुछ भी हो सकता है। दुर्भाग्य से बारिश आ गई।'' मोहम्मद सिराज ने 17 रन देकर चार विकेट लिए और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। सिराज ने कहा,'' इस विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था और मैंने सही लेंथ से गेंद करने पर ध्यान दिया जिसका मुझे फायदा मिला। मैंने ऐसी गेंदबाजी करने के लिए विश्वकप के दौरान काफी अभ्यास किया था। मैंने अपनी रणनीति के अनुसार गेंदबाजी की।

विश्व टीम शतरंज चैंपियनशिप में भारत ने यूएसए को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली। विदित गुजराती और एसएल नारायणन की जीत के दम पर भारत ने मंगलवार को फिडे विश्व टीम शतरंज चैंपियनशिप के पूल बी के पांचवें दौर के मैच में अमेरिका को 3-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट में भारत की यह दूसरी जीत थी। क्वार्टर फाइनल में उसका सामना बुधवार को फ्रांस से होगा। गुजराती और नारायणन ने क्रमश: हंस नीमन और वरुझान अकोबियन के खिलाफ जीत दर्ज की। गुजराती ने 37 चालों में बेहतर रैंकिंग वाले खिलाड़ी नीमन को हराया तो वही नारायणन ने 38 चालों में अकोबियन के खिलाफ ऐसा किया। निहाल सरीन और एसपी सेथुरमन ने क्रमश: अलेक्जेंडर ओनिस्कुक और युनिस्की क्यूसाडा पेरेज के खिलाफ अपने मुकाबले ड्रॉ खेले। इससे पहले टीम ने तीसरे दौर में अजरबेजान पर जीत दर्ज की लेकिन चौथे दौर में उसे उज्बेकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। विदिति संतोष गुजराती की शखरियार मामेदयारोव पर जीत से भारत ने सोमवार को अजरबेजान को 2.5-1.5 से हराया। तीन अन्य बाजियां ड्रा रहीं। निहाल सरीन ने तैमूर राद्जाबोव से, एस एल नारायणन ने गादिर गुसेनोवा और के शशिकिरण ने रॉफ मामेदोव से अंक बांटे। लेकिन चौथे दौर में उज्बेकिस्तान के खिलाफ टीम को 0.5-3-5 से हार का सामना करना पड़ा, जिसमें केवल नारायणन ने ही शाम्सिद्दीन वोखिदोव से ड्रा खेला। गुजराती को अपने से निचली रैंकिंग के नादिरबेक याकुबोएव से हार मिली जबकि जोवोखिर सिंदारोव ने सरीन को पराजित किया। जाखोंगिर वाखिदोव ने अभिजीत गुप्ता को 51 चाल में शिकस्त दी।

पुर्तगाल और घाना के मैच में रोनाल्डो पर टिकी रहेंगी निगाहें

पुर्तगाल और घाना के बीच गुरुवार को यहां होने वाले मैच में सभी की निगाहें स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर टिकी होंगी जो कि अपना पांचवां और संभवत- अंतिम विश्वकप खेल रहे हैं। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी मंगलवार से बिना क्लब का है क्योंकि मैनचेस्टर यूनाइटेड ने उनका अनुबंध रद्द कर दिया है। रोनाल्डो ने यूनाइटेड के कोच एरिक टेन हैग, क्लब के मालिक और साथी खिलाड़ियों की आलोचना की थी। रोनाल्डो के पास क्लब स्तर पर अभी कोई टीम नहीं है और ऐसे में विश्वकप में उनका प्रदर्शन यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा यह दिग्गज खिलाड़ी भविष्य में किस टीम से जुड़ेगा। पांच बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोनाल्डो का चरम संभवत- बीत चुका है लेकिन जब वह अपने रंग में होते हैं तो फिर उनके सामने कोई भी टीम नहीं टिक पाती है। रोनाल्डो ने यूनाइटेड से आपसी सहमति से नाता तोड़ने से पहले कहा था कि पुर्तगाल की तरफ से विश्वकप अभियान के दौरान उनके क्लब से जुड़े मसले उन्हें प्रभावित नहीं करेंगे। रोनाल्डो अभी तक विश्वकप नहीं जीत पाए हैं और पहली बार ट्रॉफी हासिल करना ही इस विश्वकप में उनके लिए प्रेरणा होगी। इसके अलावा किसी नये क्लब को आकर्षित करना उनके लिए बोनस जैसा होगा। पुर्तगाल का सामना पहले मैच में ही उस टीम घाना से है जो कि विश्व कप में भाग ले रही सबसे कम रैंकिंग की टीम है लेकिन उसे छुपा रुस्तम माना जा रहा है। घाना की विश्व रैंकिंग 61 है। इस ग्रुप में उरूग्वे और दक्षिण कोरिया जैसी उलटफेर करने में सक्षम टीमें भी हैं। इसके अलावा सऊदी अरब ने लियोनेल मेसी की अगुवाई वाले अर्जेंटीना को हराकर कमजोर टीमों को यह संदेश दे दिया है कि विश्वकप में कुछ भी असंभव नहीं है और वे अपने दिन पर उलटफेर कर सकती हैं। घाना के पास थामस पार्टे और मोहम्मद कुदुस जैसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूरोपीय क्लबों में अच्छा प्रदर्शन किया है।पुर्तगाल को इन खिलाड़ियों से सतर्क रहना होगा।

सुनील छेत्री ने खोला अपनी सफलता का राज, युवा खिलाड़ियों को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम और बेंगलुरू एफसी के कप्तान सुनील छेत्री अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 84 गोल के साथ सर्वकालिक सक्रिय स्कोररों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। वह पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी से पीछे हैं। अब स्टार फॉरवर्ड ने खुलासा किया कि कैसे वह फुटबॉल के दृश्य में लंबे समय तक सफल रहे।

छेत्री ने एक शो में कहा, 'यदि आप रोनाल्डो बनना चाहते हैं, तो आपको एक अलग रास्ता अपनाना होगा। और बहुत से लोग इसे नहीं चुन रहे हैं क्योंकि यह कठिन, उबाऊ और नीरस है। छेत्री ने कहा, 'मेरे टखने में लिगामेंट-2 टियर हो गया और मैंने इससे जल्दी उभरा। मैं 2 से 3 सप्ताह और इंतजार कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया। फिर मैं 6 महीने के लिए बाहर था और मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन का सबसे डार्क पॉइंट था। कोई मुझसे बात नहीं कर रहा था क्योंकि मैं बहुत नकारात्मक था। मुझे लगता है कि वह मेरा सबसे बुरा समय था क्योंकि मैं उस समय खुद को पसंद नहीं करता था।'

यह पूछे जाने पर कि उनकी तरह सफल होने की इच्छा रखने वाले युवाओं को उनकी क्या सलाह होगी? छेत्री ने कहा, 'युवा पीढ़ी के लिए, त्वरित संतुष्टि और त्वरित परिणाम की चाहत शायद उन्हें मार रही है। खेल में केवल लंबी दौड़ होती है, बहुत कुछ होता है।' कुछ भी जल्दी नहीं होता। अगर आप जल्दी शीर्ष पर पहुंच भी जाते हैं तो इसे बनाए रखना और भी मुश्किल होता है।'

गौर हो कि अंक तालिका में दसवें स्थान पर मौजूद बेंगलुरू एफसी का आईएसएल में अगला मैच 26 नवंबर को गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एफसी गोवा के खिलाफ होगा।

कम बजट में भी हिमाचल प्रदेश की इन जगहों की करें सैर

यूं तो भारत के हर राज्य की अपनी एक अलग खूबसूरती और खूबी है। लेकिन हिमाचल प्रदेश की बात ही कुछ और है। यहां पर आकर कोई भी व्यक्ति खुद को प्रकृति के अधिक करीब महसूस करता है। सिर्फ देशभर से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग यहां पर आना व घूमना चाहते हैं। लेकिन अधिकतर लोग सिर्फ इसलिए अपना प्लॉन कैंसिल कर देते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इसमें उनके काफी सारे पैसे खर्च हो जाएंगे। अगर आप भी ऐसा ही कुछ सोचते हैं तो चलिए आज इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश की उन जगहों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप कम बजट में भी एक्सप्लोर कर सकते हैं–

धर्मशाला : अगर आप अपना वीकेंड पहाड़ों में बिताना चाहते हैं तो धर्मशाला की यात्रा करने से बेहतर और क्या हो सकता है। यहां पर आप ना केवल आध्यात्मिक आनंद उठा सकते हैं, बल्कि मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता का लुत्फ उठा सकते हैं। आपको दो से तीन दिन यहां घूमने का खर्च 5000 रूपए से अधिक नहीं आएगा। आप यहां पर मैकलियोड गंज, नड्डी व्यूपॉइंट, त्रिउंड, धर्मकोट जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

नारकंडा : नारकंडा वह स्थान है जो एक बजट फ्रेंडली ट्रेवल डेस्टिनेशन है। यहां पर हर व्यक्ति को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यदि आप सर्दियों के दौरान वहां जाते हैं, तो स्कीइंग और कई स्नो एक्टिविटी का भी आनंद लेना चाहिए। नारकंडा में आप हाटू चोटी, तानी जुब्बर झील, नारकंडा मंदिर आदि जगहों को देख सकते हैं।

बीर : अगर आपको पैराग्लाइडिंग का शौक है तो आपको बीर जाना चाहिए। बीर कई बौद्ध मठों और आस-पास के छोटे-छोटे गांवों का भी घर है जहां आप अपनी बिजी लाइफ से दूर कुछ वक्त शांति में बिता सकते हैं। आप बीर में छुट्टी के दौरान पालमपुर और अंद्रेटा जैसी जगहों को भी अवश्य देखना चाहिए।

कसोल : कुल्लू जिले में स्थित कसोल पार्वती नदी के तट पर स्थित एक शांतिपूर्ण गांव है। यह एक ऐसा स्थान है, जहां पर आप ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। कसोल में आप खीरगंगा, मलाणा और तोश आदि जगहों को जरूर देखना चाहिए। अगर आप यहां पर चार से पांच दिन तक कसोल में घूमते हैं तो आपको करीबन दस हजार रूपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं।

हनीमून के लिए रोमांटिक और सस्ती विदेशी डेस्टिनेशन जानिए

विवाह के बाद यदि कर रहे हैं हनीमून मनाने की प्लानिंग और आप जाना चाहते हैं रोमांटिक जगह वह भी विदेश में लेकिन आपका ज्यादा बजट नहीं है तो आप देश के बजट में ही विदेश का आनंद ले सकते हैं। विदेश में घूमना महंगा है लेकिन भारत में घूमना सस्ता भी है और महंगा भी। ऐसे भी देश हैं जहां पर बहुत सस्ते में भी घूमा जा सकता है। आओ जानते हैं ऐसी 6 जगहों के बारे में।

विदेश में सस्ती जगहें : नेपाल, मालदीव, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया, बाली (इंडोनेशिया), सिंगापुर, मंगोलिया, मॉरिशस, वियतनाम और कंबोडिया आदि।

विदेश में महंगी जगहें : ग्रीस, मिश्र, स्वीटजरलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मन, फ्रांस, फीनलैंड, हवाई, कनाडा, दुबई, हवाई आदि।

नेपाल : यह देश भी हिमालय की वादियों में बसे खूबसूरत देश है। यहां घुमने के लिए कई स्थान है। यहां भी आप बिना वीजा के यात्रा कर सकते हो। यहां प्रवेश करने के बहुत ही आसान नियम हैं जिसके चलते भारतीय पर्यटक अन्य देशों के मुकाबले यहां की यात्रा करना अधिक पसंद करते हैं। यह एक हिन्दू बहुल राष्ट्र है।

भूटान : हिमालय की वादियों में बसा भूटान एक बहुत ही खूबसूरत देश है। यहां पर यदि पासपोर्ट नहीं भी है तो किसी फोटो आईडी से आपको प्रवेश मिल सकता है। यहां पर आप 14 दिनों तक बिना वीजा के यात्रा कर सकते हो। यहां जाकर आपको सुकून और शांति के साथ ही खुशी का अहसास होगा। यह एक बौद्ध बहुल राष्ट्र है।

थाईलैंड : थाईलैंड एक बहुत ही खूबसूरत बौद्ध राष्ट्र है। यहां भारत से हर वर्ष लाखों लोग घूमने जाते हैं। यहां खओ लाक, कोल लांटा, सूरत थानी, कंचनाब्यूरी, नखोन रात्चासीमा, सुखोथाई, च्यांग राय, अयुथिया आदि सैकड़ों ऐसे स्थान है जहां जाकर आप मंत्रमुग्ध हो जाओगे। यहां जाने से पहले यहां की राजनीतिक परिस्थिति और मौसम का आकलन जरूर कर लें।

बाली इंडोनेशिया : इंडोनेशिया अपनी खूबसूरती के कारण जाना जाता है। भारत के लोग यहां के बाली द्पीव पर घूमने जाते हैं। बाली एक हिन्दू बहुत क्षेत्र है जबकि इंडो?नेशनिया एक मुस्लिम राष्ट्र है। यहां पर भी आप 30 दिन तक बिना वीजा के घूम सकते हैं। हालांकि नए नियम क्या है यह देखना चाहिए।

पर्यटन स्थल नैनीताल में घूमते समय श्रद्धा के केंद्र नैना देवी मंदिर भी जाएं

पर्यटक स्थल नैनीताल में स्थित माता नैनी देवी मंदिर सहज ही पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करता है। नैनी झील के उत्त्तरी किनारे पर स्थित इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि 1880 में भूस्खलन से यह मंदिर नष्ट हो गया था। बाद में इसे फिर से बनाया गया। इस मंदिर में सती के शक्ति रूप की पूजा की जाती है। मंदिर में दो नेत्र हैं जो नैना देवी को दर्शाते हैं। नैनी झील के बारे में मान्यता है कि जब शिव सती की मृत देह को लेकर कैलाश पर्वत जा रहे थे, तब जहां-जहां उनके शरीर के अंग गिरे वहां-वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। इस स्थान पर देवी सती के नेत्र गिरे थे। इसीलिए यहां इस मंदिर की स्थापना की गयी।

इस मंदिर में नैना देवी की प्रतिमा के साथ ही भगवान श्री गणेश और काली माता की मूर्तियां भी लगाई गयी हैं। साथ ही पीपल का एक विशाल वृक्ष मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थित है जिसके साथ भी कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। यहां लोग मन्नत मांगने आते हैं और पीपल के पेड़ पर इसके लिए लाल चुन्नी या धागा बांधते हैं। मंदिर के आसपास का दृश्य भी बेहद खूबसूरत है। इस मंदिर के ठीक बाहर तिब्बती बाजार लगता है।

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा

दक्ष प्रजापति की पुत्री उमा का विवाह शिव से हुआ था। शिव को दक्ष प्रजापति पसन्द नहीं करते थे, परन्तु वह देवताओं के आग्रह को टाल नहीं सकते थे, इसलिए उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह न चाहते हुए भी शिव के साथ कर दिया था। एक बार दक्ष प्रजापति ने सभी देवताओं को अपने यहाँ यज्ञ में बुलाया, परन्तु अपने दामाद शिव और बेटी उमा को निमन्त्रण तक नहीं दिया। उमा हठ कर इस यज्ञ में पहुंचीं। जब उसने हरिद्वार स्थित कनरवन में अपने पिता के यज्ञ में सभी देवताओं का सम्मान और अपने पति और अपना निरादर होते हुए देखा तो वह अत्यन्त दुःखी हो गयीं। वह यज्ञ के हवन कुण्ड में यह कहते हुए कूद पड़ीं कि 'मैं अगले जन्म में भी शिव को ही अपना पति बनाऊंगी। आपने मेरा और मेरे पति का जो निरादर किया इसके प्रतिफल स्वरूप यज्ञ के हवन कुण्ड में स्वयं जल कर आपके यज्ञ को असफल करती हूं।'

जब शिव को यह ज्ञात हुआ कि उमा सती हो गयीं, तो उनके क्रोध का पारावार न रहा। उन्होंने अपने गणों के द्वारा दक्ष प्रजापति के यज्ञ को नष्ट भ्रष्ट कर डाला। सभी देवी-देवता शिव के इस रौद्र रूप को देखकर सोच में पड़ गए कि शिव प्रलय न कर ड़ालें। इसलिए देवी देवताओं ने महादेव से प्रार्थना की और उनके क्रोध के शान्त किया। दक्ष प्रजापति ने भी क्षमा मांगी। शिव ने उनको भी आशीर्वाद दिया। परन्तु सती के जले हुए शरीर को देखकर उनका वैराग्य उमड़ पड़ा। उन्होंने सती के जले हुए शरीर को कन्धे पर डालकर आकाश भ्रमण करना शुरू कर दिया। ऐसी स्थिति में जिन जिन स्थानों पर शरीर के अंग किरे, वहां वहां पर शक्ति पीठ हो गए। इसी क्रम में जिस स्थान पर सती के नयन गिरे थे वहां पर नैना देवी का भव्य स्थान हो गया। कहा जाता है कि माता के नयनों की अश्रुधार ने यहां पर ताल का रूप ले लिया। तबसे यहां पर शिवपत्नी नन्दा (पार्वती) की पूजा नैना देवी के रूप में की जाती है।

कश्मीर में शुरू हुई बर्फबारी, धरती पर देखें जन्नत का नजारा

कश्मीर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता है। यहां की खूबसूरत वादियां और प्राकृतिक नजारा हर किसी का मन मोह लेती हैं। खासतौर से, ठंड के मौसम में जब बर्फबारी होती है तो लगता है कि धरती पर स्वर्ग का नजारा देख रहे हों। सालभर सैलानी कश्मीर में स्नोफॉल होने का इंतजार करते हैं। अगर आप भी लंबे समय से स्नोफॉल की प्रतीक्षा में थे, तो अब आपकी प्रतीक्षा समाप्त हुई, क्योंकि कश्मीर में इस साल की पहली स्नोफॉल हो चुकी है। बर्फबारी होने के बाद कश्मीर की असली खूबसूरती साफ झलक रही हैं। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट आ चुकी है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में–

सोनमर्ग और गुलमर्ग का बदला नजारा

गुलमर्ग को लोग कश्मीर का ताज कहते हैं और यहां पर बर्फबारी होने के बाद वादियों की खूबसूरती में चार-चांद लग गए हैं। गुलर्म के अलावा सोनमर्ग और पहलगाम में भी मौसम की पहली बर्फबारी हो चुकी है। बता दें कि इस साल गुलमर्ग और पहलगाम में करीब 3 से 4 इंच तक बर्फ रिकॉर्ड की गई है। ऐसा माना जा रहा है कि बर्फबारी के कारण अब पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखने को मिलेगी।

कश्मीर में घूमने की जगहें

अगर आप भी इस साल सर्दियों में कश्मीर घूमने का मन बना चुके हैं तो ऐसे में आप सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम के अलावा कुपवाड़ा, पुलवामा, अनंतनाग, यशमर्ग, कारगिल, निशात गार्डन, जामा मस्जिद, अरु घाटी आदि जगहों पर जा सकते हैं। इन जगहों की खूबसूरती विंटर में और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

जरूर बरतें एहतियात

यूं तो विंटर में कश्मीर घूमना एक अच्छा विचार है। लेकिन कभी-कभी भारी बर्फबारी होने के कारण कुछ रास्तों को ब्लॉक कर दिया जाता है। इसलिए जब भी आप वहां जाने की प्लानिंग करें तो पहले एक बार इंटरनेट पर रिसर्च जरूर कर लें। साथ ही, अब वहां तापमान में काफी गिरावट आ चुकी है तो ऐसे में आप अपनी पैकिंग पर भी विशेष रूप से ध्यान दें। अन्यथा आपको घूमने के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कश्मीर पहुंचने के लिए सबसे अच्छा तरीका हवाई जहाज का माना जाता है। हालांकि, आप रोड मार्ग से भी जा सकते हैं।

Year End 2022 पर कर रहे हैं ट्रैवल प्लानिंग? तो ये 7 जगहें हैं बेस्ट

नवंबर की ठंड में नहीं तो वर्ष के अंतिम माह दिसंबर में आप घूमने जा सकते हैं। पूरा अमेरिका और योरप इस माह में छुट्टियों पर रहता है। इस माह में हल्की हल्की ठंड रहती है तो घूमने का मजा ही कुछ ओर रहता है। वर्ष 2022 समाप्त होने वाला है। ऐसे में आप यदि छुट्टियां लेकर कहीं घूमने जा हैं तो हमारी बताई गई जगहों पर जरूर जाएं।

ठंड में इन 7 जगहों पर जरूर जाएं घूमने

1. जैसलमेर : राजस्थान में जैसलमेर और बाड़मेर का दौरा करना चाहिए। जैसलमेर स्वर्ण नगरी के रूप में विख्यात है।
2. गोवा : नवंबर और दिसंबर के माह में गोवा में बहुत ही शानदार माहौल रहता है।
3. लक्ष्यद्वीप : यदि आप सर्दी में टापू का मजा लेना चाहते हैं तो भारत में लक्ष्यद्वीप के अलावा भी कई स्थान है। जैसे अंदमान निकोबार, दमण दीप, पुडुचेरी आदि।
4. मसूरी : ठंड में आप ठंडी जगह घूमने का मजा लेना चाहते हैं तो उत्तराखंड के मसूरी हिल स्टेशन जाएं।
5. मुन्नार : केरल के इस हिल स्टेशन की पहचान है यहां के विस्तृत भू-भाग में फैली चाय की खेती, औपनिवेशिक बंगले, छोटी नदियां, झरनें और ठंडे मौसम।
6. लेह : भारतीय राज्य लद्दाख का बहुत ही सुंदर क्षेत्र लेह ऊंचे ऊंचे पहाड़ों का क्षेत्र है। लेह पर्यटकों के लिए स्वर्ग है। चारों ओर रेतीला भूरा पठार। हवा में अच्छी-खासी ठंडक। बौद्ध स्तूप और झील को देखना रोमांच भरा रहेगा।
7. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान : यदि आप किसी जंगल की सैर करना चाहते हैं तो एशिया के सबसे सुरम्य और खूबसूरत वन्यजीव रिजर्वों में से एक है कान्हा राष्ट्रीय उद्यान। यहां पर हजारों पशु और पक्षियों का झुंड है।

नवंबर-दिसंबर की ठंड में सफर पर जा रहे हैं तो साथ में रखें 10 चीजें

भारत में घूमने फिरने की एक से एक जगहें हैं। हमें कहीं किसी दूसरे देश में जाने की जरूरत नहीं। नवंबर से ठंड प्रारंभ हो जाती है। ठंड में घूमने का भी अपना अलग ही आनंद है। यदि आप सर्दियों में घूमने का प्लान कर रहे हैं तो हमारी बताई गई 5 जगहों पर जरूर ट्रैवल करें और 10 चीजें जरूर अपने साथ ले जाएं। यह आपके बहुत काम आएगी।

सफर में साथ में रखें ये 10 चीजें

1. गर्म कपड़े : सर्दी के हिसाब से आप स्वेटर, जर्किन, कोट, मफरल, टोपा, हैंड ग्लब्स, इनर वियर आदि गर्म कपड़े जरूर रख लें।
2. कंबल और शॉल : जितने लोग उतने हल्के फुल्के कंबल और शॉल जरूर रखकर ले जाएं।
3. हेल्थ किट : सर्दी के मौसम में बहुत जल्दी सर्दी जुकाम खांसी और बुखार हो सकता है। ऐसे में जरूरी दवाइयां ले जाएं। जरूरी दवाइयों में बुखार, एलर्जी, सर्दी जुकाम, एसिडिटी, सिरदर्द आदि की टैबलेट रख लें।
4. मजबूत जूते : ऐसे जूते पहनें जो मजबूत होने के साथ ही मौसम की मार झलने वाले हों। जिनपर मौसम का कोई असर न होता है। पहाड़ पर चढ़ने लायक और पैरों को कांटों से बचाने वाले अच्छी ग्रीप से जूते रखें।
5. कैश जरूर रखें : ट्रिप के लिए तय बजट से कुछ ऊपर ही रुपए कार्ड में रखें, क्योंकि आपातकालीन स्थिति बताकर नहीं आती है। इमरजेंसी के लिए कैश जरूर रखें।
6. सनस्क्रीन क्रीम : यह जीतना गर्मी में जरूरी है उतना ही सर्दियो में भी।
7. स्मार्ट वॉच : यह भी बहुत काम की है।
8. ड्राई फूड : यह आपकी इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ ही भोजन की कमी के दौरान काम आते हैं।
9. माचिस : यह आग जलाकर ताप सेंकने के काम आ सकती है।
10. अन्य वस्तुएं : पोर्टेबल चार्जर, दो मोबाइल रखें, फेस कवर, सनग्लास एण्ड हैट, रिचार्जेबल टॉर्च, पानी की बोतल आदि।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यरूशलम में बस स्टॉप के पास बड़ा धमाका, करीब 12 लोग घायल

यरूशलम में बुधवार को एक बस स्टॉप के पास हुए धमाके में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। इजराइली पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने धमाके के पीछे फलस्तीनियों का हाथ होने की आशंका जताई। पुलिस के मुताबिक, धमाका शहर के बाहर एक राजमार्ग पर स्थित बस स्टॉप के पास हुआ, जो हमेशा यात्रियों से भरा रहता है। घटनास्थल पर मौजूद चिकित्सा कर्मी योसेफ हैम गाबेय ने 'आर्मी रेडियो' को बताया कि 'यहां हर तरफ विनाश का मंजर है' और कुछ घायलों के शरीर से बहुत ज्यादा खून बह रहा है। यरूशलम के अस्पतालों ने बताया कि उनके यहां धमाके में घायल 12 लोगों को भर्ती कराया गया है, जिनमें दो गंभीर और दो अन्य बेहद गंभीर रूप से जख्मी हैं। धमाके के पीछे की वजह पता लगाई जा रही है, लेकिन यह ऐसे समय में हुआ है, जब इजराइलियों के खिलाफ किए गए जानलेवा हमलों में 19 लोगों की मौत के बाद इजराइली बलों द्वारा वेस्ट बैंक में महीनों से की जा रही छापेमारी से इजराइल और फलस्तीन के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। वर्ष 2022 में वेस्ट बैंक और पूर्वी यरूशलम में इजरायल और फलस्तीन के बीच संघर्ष में 130 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिससे यह साल 2006 के बाद से क्षेत्र में सबसे घातक वर्ष बनकर उभरा है। इजराइली सेना का कहना है कि उसकी कार्रवाई में मारे गए ज्यादातर फलस्तीनी आतंकवादी थे। हालांकि, इजराइली बलों की छापेमारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कुछ युवा और कई ऐसे लोग भी मारे गए हैं, जो टकराव में शामिल नहीं थे। यरूशलम के उत्तर में स्थित रामोत के एक इलाके में भी एक धमाके की खबर है, लेकिन पुलिस ने इसकी तत्काल पुष्टि नहीं की है।

5.9 तीव्रता के भूकंप से सहमा उत्तर-पश्चिम तुर्किये, कोई बड़ा नुकसान नहीं

उत्तर-पश्चिम तुर्किये में बुधवार सुबह 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसके कारण लोगों में दहशत फैल गई, लेकिन किसी बड़े नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है। सरकार द्वारा संचालित आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र इस्तांबुल से करीब 200 किलोमीटर पूर्व में डुजसे प्रांत के गोलकाया शहर में था। सुबह चार बजकर आठ मिनट पर आए भूकंप के झटके इस्तांबुल, राजधानी अंकारा और देश के अन्य हिस्सों में भी महसूस किए गए। भूकंप के बाद कम से कम 35 झटके और महसूस किए गए। डुजसे के मेयर फारुक ओजलू ने निजी टीलीविजन चैनल एनटीवी को बताया कि भूकंप से इलाके की बिजली गुल हो गई और लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। गृह मंत्री सुलेमान सोयलु ने बताया कि डर की वजह से बालकनी या खिड़कियों से नीचे कूद जाने और अन्य कारणों से कुछ लोग घायल हो गए। इन लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एनटीवी ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। तुर्किये भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील माना जाता है। डुजसे में इससे पहले साल 1999 में जबरदस्त भूकंप आया था, जिसमें लगभग 800 लोग मारे गए थे।

पूर्णिमा देवी बर्मन को संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार से नवाजा गया

भारतीय वन्यजीवी वैज्ञानिक डॉ पूर्णिमा देवी बर्मन को संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार ''चैंपियंस ऑफ द अर्थ'' से सम्मानित किया गया है। बर्मन को पारिस्थितिक तंत्र के क्षरण की रोकथाम के लिए की गई परिवर्तनकारी कार्रवाई के लिए यह सम्मान दिया गया है। बर्मन को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के इस साल के 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ' पुरस्कार की 'एंटरप्रेन्योरियल विजन' (उद्यमिता दृष्टिकोण) श्रेणी में सम्मानित किया गया है। वन्यजीव विज्ञानी बर्मन ''हरगिला आर्मी'' का नेतृत्व करती हैं, जो सारस को विलुप्त होने से बचाने के लिए समर्पित आंदोलन है, जिसमें केवल महिलाएं शामिल हैं। महिलाएं सारस पक्षी जैसे मुखौटे बनाती और बेचती हैं, जिससे अपनी वित्तीय स्वतंत्रता के साथ ही विलुप्त होती प्रजाति के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। यूएनईपी की वेबसाइट के मुताबिक, पांच साल की उम्र में बर्मन को असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नजदीक रहने वाली अपनी दादी के पास भेज दिया गया था। बर्मन ने कहा, ''मैंने सारस और पक्षियों की कई अन्य प्रजातियों को देखा। उन्होंने (दादी) मुझे पक्षियों से जुड़े गीत सिखाए। उन्होंने मुझसे बगुले और सारस के लिए गाने को कहा और फिर मुझे पक्षियों से प्यार हो गया।

अमेरिका के वॉलमार्ट स्टोर में बदमाश ने चलाई जमकर गोलियां, 10 की मौत, बंदूकधारी ने खुद को भी मार डाला

वाशिंगटन। अमेरिकी के वर्जीनिया राज्य में मंगलवार देर रात एक बंदूकधारी ने वॉलमार्ट स्टोर में कई लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, इस गोलीबारी में लगभग 10 लोगों की मौत हो गयी और अन्य कई घायल हैं। शहर के अधिकारियों ने कहा कि शूटर भी मर चुका है। यह घटना चेसापीक शहर में हुई। चेसापीक शहर ने एक ट्वीट में कहा, 'चेसापीक पुलिस ने सैम के सर्किल पर वॉलमार्ट में घातक घटनाओं के साथ एक सक्रिय शूटर घटना की पुष्टि की है। शूटर मर चुका है।' सिटी ऑफ चेसापीक ने कहा कि वर्जीनिया के चेसापीक में वॉलमार्ट में मंगलवार देर रात हुई गोलीबारी में कई लोगों की मौत हो गई और शूटर की मौत हो गई। रात 10 :12 बजे, पुलिस ने सैम के सर्किल में वॉलमार्ट के अंदर एक शूटिंग की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी, कोसिंस्की ने कहा, सटीक संख्या का खुलासा किए बिना, लगभग 10 लोग मारे गए हैं। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि शूटर की मौत खुद को लगी चोटों से हुई या नहीं। कोसिंस्की ने कहा कि 'उनकी जानकारी के अनुसार' पुलिस पर कोई गोली नहीं चलाई गई। वर्जीनिया राज्य के सीनेटर लुईस लुकास, जो इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने कहा कि वह 'पूरी तरह से हतप्रभ हैं कि अमेरिका की नवीनतम सामूहिक शूटिंग आज रात वर्जीनिया के चेसापीक में मेरे जिले के वॉलमार्ट में हुई।' उन्होंने ट्विटर पर कहा, 'मैं तब तक चैन से नहीं बैठूंगी, जब तक हम अपने देश में बंदूक हिंसा की इस महामारी को समाप्त करने का समाधान नहीं खोज लेते, जिसने कई लोगों की जान ले ली है।'

इंडोनेशिया में आये भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 268 हुई, 151 अभी भी लापता

इंडोनेशिया के जावा द्वीप आये भूकंप से मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 268 हो गई, क्योंकि ढही इमारतों के मलबों से और शव निकाले गए जबकि 151 लोग अभी भी लापता हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय आपदा राहत एजेंसी ने दी। एजेंसी के प्रमुख सुहरयांतो ने संवाददाताओं को बताया कि सियांजुर शहर के पास सोमवार दोपहर आए 5.6 तीव्रता के भूकंप में अन्य 1,083 लोग घायल हो गए। भूकंप से भयभीत निवासी सड़कों पर निकल आये जिनमें से कुछ खून से लथपथ थे। भूकंप के चलते ग्रामीण क्षेत्र के आसपास की इमारतें ढह गईं। पर्तिनेम नाम की एक महिला ने बताया कि जब भूकंप का झटका महसूस होने पर वह अपने परिवार के साथ अपने घर से बाहर आ गई और उसके कुछ ही देर बाद उसका मकान ढह गया। उसने कहा, ''मैं रो रही थी और मैंने तुरंत ही अपने पति और बच्चों के साथ बाहर आ गई।'' महिला ने कहा, ''यदि मैंने उन्हें बाहर नहीं निकाला होता तो हम भी अपनी जान गंवा सकते थे।'' अधिकारियों ने बताया कि मारे गए लोगों के अलावा, 300 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और कम से कम 600 से अधिक लोगों को मामूली चोटें आईं हैं। राष्ट्रीय तलाश एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख हेनरी अल्फिआंडी ने कहा कि सियांजुर के उत्तर-पश्चिम स्थित सिजेडिल गांव में भूकंप से भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं और कई घर ढह गए।

नेपाल चुनाव : डडेलधुरा से लगातार सातवीं बार जीते प्रधानमंत्री देउबा

11 सीटें जीतकर सबसे आगे चल रही है नेपाली कांग्रेस पार्टी

काठमांडू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने पश्चिमी नेपाल के डडेलधुरा निर्वाचन क्षेत्र से भारी मतों के अंतर से लगातार सातवीं बार जीत दर्ज की है। उनकी नेपाली कांग्रेस पार्टी अभी तक 11 सीटें जीतकर सबसे आगे चल रही है। हिमालयी देश में प्रतिनिधि सभा और सात प्रांतों की विधानसभाओं के लिए पिछले रविवार को मतदान हुआ था। मतों की गिनती सोमवार को शुरू की गई। देउबा (77) को 25,534 वोट मिले, जबकि उनके निकटम प्रतिद्वंद्वी एवं निर्दलीय उम्मीदवार सागर ढकाल (31) को 1,302 मत हासिल हुए। देउबा अपने पांच दशक के राजनीतिक करियर में कभी कोई संसदीय चुनाव नहीं हारे हैं।

नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष देउबा अभी पांचवीं बार प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हैं। ढकाल एक युवा इंजीनियर हैं, जिनकी पांच साल पहले 'बीबीसी' (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) के 'साझा सवाल' कार्यक्रम में एक सार्वजनिक परिचर्चा के दौरान देउबा से मौखिक बहस हुई थी। इसके बाद उन्होंने यह कहते हुए देउबा को चुनौती देने का फैसला किया था कि अब युवाओं को राजनीति में आना चाहिए और देउबा जैसे वरिष्ठ लोगों को आराम करना चाहिए। सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस ने अभी तक प्रतिनिधि सभा की 11 सीटें जीत ली हैं, जबकि वह 46 अन्य सीटों पर आगे चल रही है।

वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री के पी ओली की अगुवाई वाले मुख्य विपक्षी दल सीपीएन-यूएमएल (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) ने अभी तक तीन सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि 42 सीटों पर उसने बढ़त हासिल कर ली है। नव गठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने काठमांडू जिले में तीन सीटें जीती हैं। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, सीपीएन-यूनीफाइड सोशलिस्ट और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने एक-एक सीट हासिल कर ली है। अभी तक प्रतिनिधि सभा की 20 सीटों के चुनाव परिणाम की घोषणा की जा चुकी है।

नेपाल में संघीय संसद की 275 सीटों और सात प्रांतीय विधानसभाओं की 550 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। संघीय संसद के कुल 275 सदस्यों में से 165 का चयन प्रत्यक्ष मतदान के जरिये होगा, जबकि बाकी 110 को 'आनुपातिक चुनाव प्रणाली' के माध्यम से चुना जाएगा। इसी तरह, प्रांतीय विधानसभाओं के कुल 550 सदस्यों में से 330 का चयन प्रत्यक्ष, जबकि 220 का चयन आनुपातिक प्रणाली से होगा।

स्वीडन ने दो और लोग जासूसी के संदेह में गिरफ्तार

स्वीडिश अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि जासूसी के संदेह में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक 卐स्वीडन और एक विदेशी शक्ति के खिलाफ गंभीर अवैध खुफिया गतिविधियों卐 का आरोपी है। यह जानकारी स्वीडिश अधिकारियों ने मंगलवार को दी। स्वीडन के अभियोजन प्राधिकरण ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि गिरफ्तारियां मंगलवार सुबह की गईं। इसमें शामिल दूसरे देश की पहचान नहीं बतायी गयी। स्वीडन की सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि अभियान, जिसमें घरों की तलाशी शामिल थी, पुलिस और स्वीडिश सशस्त्र बलों की सहायता से चलाया गया। जासूसी एजेंसी ने कहा कि जांच 'कुछ समय से चल रही है'। गिरफ्तारियां स्टॉकहोम इलाके में सुबह-सुबह की गईं। गिरफ्तार किए गए लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। स्वीडन की घरेलू सुरक्षा सेवा के एक प्रवक्ता फ्रेड्रिक हॉल्टग्रेन फीबर्ग, जिसे इसके संक्षिप्त नाम एसएपीओ के नाम से जाना जाता है, ने आफ्टोनब्लाडेट सांध्य समाचार पत्र को बताया कि 'संदिग्धों की जल्द गिरफ्तारी आवश्यकता थी'। स्वीडन के सशस्त्र बलों के एक प्रवक्ता ने समाचार पत्र को बताया कि उन्होंने 'दो हेलीकाप्टरों के साथ एसएपीओ का समर्थन किया था'। अभियोजन प्राधिकरण ने जोर देकर कहा कि यह मामला ईरान में जन्मे दो भाइयों से जुड़ा नहीं था, जिन पर इस महीने की शुरुआत में स्वीडन में कथित रूप से रूस के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। स्वीडन ने 11 नवंबर को, 2011 से 2021 तक लगभग एक दशक तक रूस और उसकी सैन्य खुफिया सेवा जीआरयू के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के लिए दो स्वीडिस नागरिकों पर आरोप लगाया।

दोनों में से एक स्वीडन की घरेलू खुफिया एजेंसी के लिए काम करता था। दोनों ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है।

अमेरिका पर हमला करने वाला है चीन? साउथ चाइना सी में परमाणु बम से लैस मिसाइल जेएल-3 लॉन्चिंग का बना रहा अड्डा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने दक्षिण चीन सागर को सबमरीन से दागे जाने वाले परमाणु बम से लैस मिसाइलों का अड्डा बनाने से बस कुछ ही कदम की दूरी पर है। चीन के इस कदम से पीएलए नेवी की नई मिसाइल जेएल 3 अमेरिका महाद्वीप को आसानी से निशाना बना सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पिछले हफ्ते आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया कि चीन ने अपनी परमाणु पनडुब्बियों पर लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें रखी हैं जो अमेरिका पर हमला कर सकती हैं। यूएस पैसिफिक फ्लीट के प्रमुख, एडमिरल सैम पापारो ने एक सम्मेलन में सैन्य संवाददाताओं से कहा कि चीन की छह जिन-श्रेणी की पनडुब्बियां अब जेएल-3 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि ÷वे संयुक्त राज्य अमेरिका को धमकी देने के लिए बनाए गए थे। यह पहली बार है जब अमेरिका ने स्वीकार किया है कि चीन ने अपनी परमाणु शक्ति वाली पनडुब्बियों पर हथियार तैनात किए हैं, जिससे वह अपने तटों से अमेरिका की मुख्य भूमि पर हमला कर सके।

रिपोर्टों के अनुसार, कथित तौर पर जून 2019 में एक जेएल-3 परीक्षण लॉन्च किया गया था। उस समय, चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेन गुओकियांग ने कहा था कि परीक्षण मानक थे और किसी विशिष्ट राष्ट्र या लक्ष्य पर निर्देशित नहीं थे। चीन के पिछले मॉडल एसएलबीएम, जेएल-2 की तुलना में नए जेएल-3 की रेंज कथित तौर पर 10,000 किलोमीटर से अधिक हो सकती है। उत्तरार्द्ध की सीमा लगभग 7,200 किलोमीटर है। अपनी ओर से, चीन ने अभी तक जेएल-3 को सेवा में शामिल करने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार चीन की टाइप 094 सबमरीन बोहाई समुद्र से अमेरिका के अलास्का प्रांत पर हमला करने की ताकत रखती है। चीन ने माना है कि उसने जेएल 3 मिसाइल का परीक्षण किया है लेकिन ये किसी एक देश को लक्ष्य करके नहीं है। जीटी द्वारा उद्धृत चीनी विशेषज्ञों ने कहा कि एसएलबीएम के विकास का उद्देश्य बीजिंग को परमाणु ब्लैकमेल से बचाना था। इसमें आगे कहा गया है कि अटकलों को हवा देने के पीछे अमेरिका का गुप्त मकसद था कि इन लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल उस पर हमला करने के लिए किया जा सकता है और वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रचार का उपयोग करेगा।

भारत ने उत्तर कोरिया के अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा की

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक आपात बैठक में उत्तर कोरिया की उसके अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण को लेकर निंदा की है। भारत ने परमाणु और मिसाइल प्रौद्योगिकियों के प्रसार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका क्षेत्र की शांति व सुरक्षा पर ''प्रतिकूल प्रभाव'' पड़ता है। उत्तर कोरिया ने 17 नवंबर को एक बार फिर आईसीबीएम का सफल प्रक्षेपण किया था, जो जापान के समुद्र तट से करीब 125 मील दूर गिरी थी। ऐसा कहा जा रहा है कि यह पूरे उत्तरी अमेरिका को निशाना बनाने में सक्षम है। उत्तर कोरिया पर यूएनएससी की सोमवार को बुलाई आपात बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत, उत्तर कोरिया द्वारा हाल ही में किए गए अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करता है। कंबोज ने कहा कि भारत, उत्तर कोरिया से संबंधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के पूर्ण कार्यान्वयन का आह्वान करता है। उन्होंने कहा, '' हम उत्तर कोरिया से संबंधित परमाणु व मिसाइल प्रौद्योगिकियों के प्रसार पर गौर करने की बात को दोहराते हैं। परमाणु और मिसाइल प्रौद्योगिकियों का प्रसार चिंता का विषय है, क्योंकि उसका भारत सहित क्षेत्र की शांति व सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।'' कंबोज ने कहा कि भारत उम्मीद करता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और सुरक्षा परिषद इस मोर्चे पर एकजुटता दिखाएगा। भारत, कोरियाई प्रायद्वीप में शांति व सुरक्षा की दिशा में परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपने समर्थन को दोहराता है। बैठक में अमेरिका और उसके सहयोगियों ने उत्तर कोरिया के अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) परीक्षण की सोमवार को कड़ी निंदा की और उससे अपने परमाणु एवं मिसाइल कार्यक्रमों को सीमित करने का आह्वान किया। हालांकि, रूस और चीन ने प्योंगयांग पर और दबाव बनाने व नए प्रतिबंध लगाने की कोशिशों का विरोध किया।

इमरान खान ने कहा कि मेरी पार्टी को सत्ता में वापसी के लिए किसी अभियान की जरूरत नहीं है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख इमरान खान ने मंगलवार को दोहराया कि उनकी पार्टी को सत्ता में लौटने के लिए प्रचार अभियान की जरूरत नहीं है। खान ने लाहौर में अपने आवास से एक सेमिनार को संबोधित करते हुए यह दावा किया। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को मौजूदा आर्थिक संकट से उबारने और जनता के बीच स्थिरता तथा विश्वास पैदा करने के लिए फिलहाल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव समय की मांग है।

अखबार के अनुसार, खान ने कहा, ''सरकार चुनावों में जितनी देरी करेगी, वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के लिए उतना ही फायदेमंद होगा और हमें देश के मौजूदा हालात में प्रचार करने की भी जरूरत नहीं होगी।'' उन्होंने कहा कि ''स्पष्ट बहुमत वाली सरकार की जरूरत है ताकि वह ठोस व कड़े फैसले ले सके।'' प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ नीत संघ सरकार की आलोचना करते हुए खान ने कहा कि नयी सरकार को ''देश का रास्ता सुधारने'' के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। खबर के अनुसार, खान ने कहा कि देश को निवेश आकर्षित करने की जरूरत है और निवेशकों को लाभ दिया जाना चाहिए।

यूरोपीय सांसदों ने रूस को आतंकवाद का प्रायोजक देश घोषित किया, जानिए क्या हैं इसके मायने?

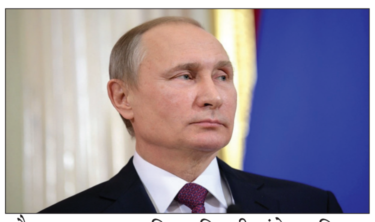

कीव (एजेंसी)। यूरोपीय संसद ने बुधवार को रूस को आतंकवाद के राज्य प्रायोजक के रूप में नामित करने का फैसला किया। ऊर्जा बुनियादी ढांचे, अस्पतालों, स्कूलों और आश्रयों पर मॉस्को के सैन्य हमलों जैसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन का हवाला देते हुए यूरोपीय संसद ने ये कदम उठाया है। हालांकि, यह कदम काफी हद तक प्रतीकात्मक है, क्योंकि यूरोपीय संघ के पास इसका समर्थन करने के लिए कोई कानूनी ढांचा नहीं है। इसी समय, ब्लॉक ने पहले ही यूक्रेन पर अपने आक्रमण को लेकर रूस पर अभूतपूर्व प्रतिबंध लगा रखे हैं।

यूरोपीय संसद से एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यूक्रेन में नागरिकों के खिलाफ रूसी सेना और उनके प्रतिनिधियों द्वारा किए गए जानबूझकर हमले और अत्याचार, नागरिक बुनियादी ढांचे का विनाश और अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानून के अन्य गंभीर उल्लंघन आतंक के कृत्यों और युद्ध अपराधों का गठन करते हैं। ये एक प्रकार की यूक्रेन और उसके बाहर रूस के कार्यों की एक बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक निंदा है। अमेरिकी सरकार ने अब तक अपनी कानूनी प्रणाली के तहत संभावित अनपेक्षित परिणामों का हवाला देते हुए रूस का विरोध किया है।

क्या हैं इसके मायने?

समावेशन का अर्थ है विदेशी सहायता पर प्रतिबंध, ऐसी सरकारों को रक्षा निर्यात पर प्रतिबंध, संभावित सैन्य उपयोग और वित्तीय बाधाओं के साथ प्रौद्योगिकी के निर्यात पर नियंत्रण। महत्वपूर्ण रूप से, अमेरिकी अदालतों में रूस की संप्रभु प्रतिरक्षा के लिए भी इसके निहितार्थ हैं। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम सहित कई अमेरिकी विधायकों ने इस तरह की सूची के लिए बाइडेन प्रशासन पर जोर दिया है। लेकिन अन्य अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि पदनाम क्रेमलिन को जवाबदेह ठहराने का सबसे अच्छा तरीका नहीं है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि गार्सेटी को भारत में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हूं

काठमांडू (एजेंसी)। अमेरिका में व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन एरिक गार्सेटी को भारत में देश का राजदूत नियुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उसने उम्मीद जतायी कि सीनेट जल्द ही उनके नामांकन पर अपनी मुहर लगा देगी। गार्सेटी (51) 2013 से लॉस एंजिलिस के मेयर रहे हैं। वह राष्ट्रपति बाइडन के करीबी सहायक हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने यहां सोमवार को पत्रकारों से कहा, ''भारत के साथ संबंध हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। आपने देखा कि राष्ट्रपति (बाइडन) ने पिछले सप्ताह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बहुत संक्षिप्त मुलाकात की जब वह बाली में थे। साफ है कि यह बहुत महत्वपूर्ण रिश्ता है जिसका हम सम्मान करते हैं।''

उन्होंने विश्वास जताया कि भारत में अमेरिका के राजदूत के तौर पर राष्ट्रपति द्वारा नामित गार्सेटी के नाम पर जल्द ही सीनेट मुहर लगा देगी। अमेरिकी कांग्रेस के ऊपरी सदन के समक्ष एक से अधिक साल से यह नामांकन लंबित पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जुलाई 2021 में गार्सेटी को भारत में अपने राजदूत के तौर पर नामित किया था। रिपब्लिकन सीनेटर चक ग्रासली ने गार्सेटी के एक वरिष्ठ कर्मी के अनुचित बर्ताव के आरोपों पर उनके नामांकन को अवरुद्ध किया है। हालांकि, अब उनके नामांकन पर रोक हटा ली गयी है लेकिन सत्तारूढ़ डेमोक्रेट्स इसे सीनेट के समक्ष लाने से इनकार कर रहे हैं क्योंकि उन्हे लगता है कि उनके पास इसके लिए पर्याप्त वोट नहीं हैं।

तनावपूर्ण संबंधों के बीच अमेरिका और चीन के रक्षा प्रमुखों ने मुलाकात की

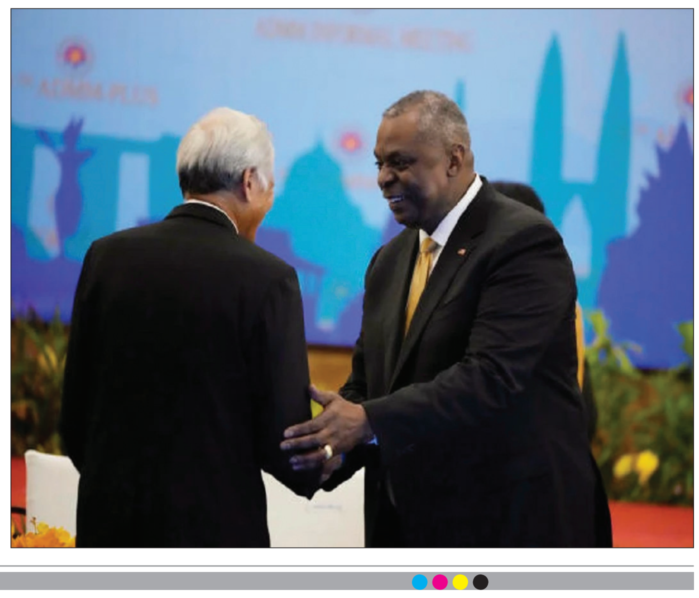

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के रक्षा प्रमुखों ने मंगलवार को कंबोडिया में एक क्षेत्रीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय तथा वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। अमेरिकी और चीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड जे. ऑस्टिन और चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंग के बीच छह महीने में आमने-सामने की दूसरी बैठक थी। इस बैठक के कुछ सप्ताह पहले इंडोनेशिया में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मुलाकात की थी जिसे व्यापार और ताइवान पर चीन के दावों के कारण दोनों देशों में तनाव को कम करने के प्रयास के रूप में देखा गया।

ऑस्टिन और वेई दक्षिण पूर्वी एशिया राष्ट्रों के संगठन (आसियान) और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य प्रमुख देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने कंबोडिया आए हैं। अमेरिका और चीन के बीच जारी तनाव अगस्त में तब और बढ़ गया जब अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के प्रेस सचिव ब्रिगेडियर जनरल पेट रायडर ने कहा कि ऑस्टिन ने वेई को बाइडन की 'एक चीन नीति' के लिए प्रतिबद्धता को लेकर आश्वस्त किया।

रायडर ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन ने यथास्थिति में एकतरफा बदलाव को लेकर आपत्ति को रेखांकित किया और चीन से ताइवान के प्रति अस्थिरता वाली कार्रवाई से परहेज करने को कहा। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल तान केफई ने संवाददाता सम्मेलन में मंगलवार की वार्ता को शी और बाइडन के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति के क्रियान्वयन की दिशा में ठोस कदम बताया। उन्होंने कहा कि चीन-अमेरिका के संबंधों को वापस पटरी पर लाने के लिए बैठक बहुत महत्वपूर्ण थी।

हालांकि, चीन के रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में वेई के हवाले से कहा गया, ''चीन-अमेरिका की स्थिति के लिए अमेरिकी पक्ष जिम्मेदार है, इसमें चीनी पक्ष की भूमिका नहीं है।'' रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने दक्षिण चीन सागर, यूक्रेन , कोरिया प्रायद्वीप को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया। अमेरिका के बयान में कहा गया कि ऑस्टिन ने यूक्रेन में रूस के हमले पर चर्चा की तथा उल्लेख किया कि वाशिंगटन और बीजिंग ''युद्ध में परमाणु हथियार के इस्तेमाल या इस बारे में धमकी दिए जाने का विरोध करते हैं।

पंजाब में फिर बेअदबी का केस, लुधियाना में नहर में पड़ी मिली धार्मिक किताब गुटका साहिब

चंडीगढ़ । पंजाब में फिर बेअदबी का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंजाब के लुधियाना में नहर में धार्मिक किताब गुटका साहिब पड़ी मिली है। कथित तौर पर, सिख धर्म और हिंदू धर्म की पवित्र पुस्तक के पृष्ठ दुहरी ब्रिज नहर के किनारे पड़े पाए गए। वहां से जाते समय एक राहगीर की नजर पड़ी तो मामले की सूचना दी। । शख्स की पहचान गुरिंदर सिंह के रूप में हुई है। इसके बाद आसपास के लोग भी एकत्र हो गए और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। धार्मिक पुस्तक के अपमान के बारे में लोगों को पता चलते ही क्षेत्र में गुस्सा और आंदोलन फैल गया। लोगों का कहना था कि कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर राज्य का माहौल खराब कर रहे हैं और पुलिस को ऐसे लोगों पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। सूचना मिलने पर दुगरी थाने से एसएचओ मधु बाला अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची और ऐसा करने वाले बदमाशों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पहले तो यह माना जा रहा था कि गुटका साहिब के पन्नों को नहर में विसर्जित करने के लिए रखा जाना चाहिए, लेकिन पिछले कई दिनों से नहर सूखी होने के कारण पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। धर्मग्रंथ के हिस्से सम्मानपूर्वक गुरुद्वारा साहिब में पहुंचाए गए हैं। साथ ही क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

योगी ने कहा कि परिवारवादियों और जातिवादियों को एक और मौका न दें

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी पार्टियों पर परिवारवाद और जातिवाद के नाम पर सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि अगर भविष्य में इन दलों को मौका मिला तो भी दंगाइयों और अपराधियों को अनुकूल माहौल देने की कोशिश करेंगे। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को गाजियाबाद के कविनगर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बटन दबाकर 878 करोड़ की 755 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। साथ ही कांवड़ यात्रा के कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। आदित्यनाथ ने कहा कि एक विचारधारा की सरकार से तेजी से विकास होता है। आज प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। स्थानीय स्तर पर भी समान विचारधारा के बोर्ड गठित होते हैं तो विकास बुलेट ट्रेन की रफ्तार से होता है, इस गति के लिए आपका आशीर्वाद भाजपा को चाहिए। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा जो लोग परिवारवाद, जातिवाद के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न-भिन्न करते थे। माफिया के शागिर्द बनकर जिन्होंने जनता को तबाह किया, यदि उन्हें अवसर मिलेगा तो वे दंगाइयों, माफिया, अपराधियों को माहौल देने का कुत्सित प्रयास करेंगे पर हमें उन्हें यह अवसर नहीं देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में पेशेवर माफिया संगठित अपराध करते थे और आमजन, व्यापारी, उद्यमी को परेशान कर गुंडा टैक्स मांगते थे। बहन-बेटियां असुरक्षित महसूस करती थीं। उन्होंने कहा कि साल 2017 में भाजपा सत्ता में आई उसे अच्छे परिणाम सामने हैं। सरकार की नीतियां बढ़ीं और अपराधी प्रदेश छोड़कर पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां से पहले उद्यमी व व्यापारी पलायन करते थे, वह यहां आकर निवेश कर युवाओं को नौकरी व रोजगार दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो प्रदेश पहले बीमारू था, आज वह दूसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होकर नई तस्वीर प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले गाजियाबाद प्रदेश के सबसे गंदे शहरों में शामिल किया जाता था, लेकिन भाजपा के शासन में यह जिला नित नए प्रतिमान गढ़ रहा है।

टेरिटोरियल आर्मी के जवान ने 4 महीने तक सेना में की फर्जी नौकरी, युवक से की गयी 16 लाख की ठगी, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। नौकरी के नाम पर ठगने का सिलसिला लंबे समय से चलता आ रहा हैं। इतनी जागरूकता फैलाए जाने के बाद भी लोगों अपराधियों के बहकावे में आ ही जाते हैं। उत्तर प्रदेश के मेरठ से ऐसा ही चौंका देने वाला मामला सामने आया हैं। दो भाइयों से मेरठ जनपद में सेना में नौकरी के नाम पर 16 लाख रुपये की ठगी की गयी। अपराध करने वालों ने न केवल युवक को ठगा बल्कि उसके भाई को भी सेना में भर्ती कराने का आश्वासन दिया और लाखों रुपये की ठगी की। मामले का खुलासा तब हुआ जब 4 महीने सेना की ट्रेनिंग करने के बाद युवक को पता चला कि वह तो आर्मी में भर्ती ही नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश का एक युवक जो मानता था कि वह पठानकोट के 272 ट्रांजिट कैंप में 108 इन्फेंट्री बटालियन टीए (प्रादेशिक सेना) 'महार' के साथ तैनात था। उसकी सेना में चार महीने की ट्रेनिंग आईडी और वर्दी के साथ पूरी हुई। चार महीने के बाद एहसास हुआ कि उसे पहले स्थान पर कभी भर्ती नहीं किया गया था। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवायी, जिसकी जांच में पता चला कि युवक के साथ ठगी हुई हैं। सेना के सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि मनोज कुमार पहले ही चार महीने की 'सेवा' कर चुके हैं और उन्हें जुलाई में अपनी 'नियुक्ति' के बाद 12,500 रुपये प्रति माह का 'वेतन' भी मिला था। वास्तव में गाजियाबाद में रहने वाला कुमार (अपने शुरुआती 20 के दशक में), भारतीय सेना में एक सिपाही राहुल सिंह के लिए केवल मामूली काम कर रहा था और 16 लाख रुपये के बदले में उसे 'भर्ती' कर रहा था। राहुल सिंह मूल रूप से मेरठ के दौराला क्षेत्र के रहने वाले हैं। उन्हें मंगलवार को 'भर्ती घोटाले' के लिए उनके एक सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया गया था।

श्रद्धा की चिट्ठी पर फडणवीस का बयान, तब एक्शन होता तो बच जाती जान, कराएंगे जांच

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने श्रद्धा की चिट्ठी पर कहा कि मामले पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर कार्रवाई होती तो श्रद्धा की जान बचाई जा सकती थी। बता दें कि श्रद्धा की चिट्ठी सामने आई है जो उस वक्त में तमाम चीजों को लेकर पुलिस को लिखी गई थी। उस वक्त एक्शन होता तो श्रद्धा की जान बचाई जा सकती थी। पत्रकारों की तरफ से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूछा गया कि श्रद्धा ने 2020 में महाराष्ट्र के तत्कालीन उद्धव सरकार को पत्र लिखा था। अगर उस वक्त कार्रवाई होती तो क्या श्रद्धा की जान बचाई जा सकती थी?

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वो पत्र मेरे पास भी आया है। मैंने उसे देखा है, बहुत ही सीरियस पत्र है। उसके ऊपर क्यों कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसके ऊपर जांच चलेगी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैंने पत्र देखा (2020 में पुलिस को श्रद्धा की शिकायत) और इसमें बहुत गंभीर आरोप हैं। कार्रवाई क्यों नहीं की गई इसकी जांच की जाएगी। मैं किसी पर कुछ भी आरोप नहीं लगाना चाहता लेकिन अगर ऐसे पत्र पर कार्रवाई नहीं होती है तो ऐसी घटनाएं होती हैं। इसकी जांच की जाएगी। अगर कार्रवाई की जाती तो शायद उसे बचाया जा सकता था। गौरतलब है कि श्रद्ध के मर्डर से पहले की एक चिट्ठी सामने आई है। श्रद्धा ने महाराष्ट्र की पालघर पुलिस को लिखी इस चिट्ठी में अपने लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला के हाथों हुई क्रूरता के बारे में बताया था। पालघर में तुलिंज पुलिस को लिखी चिट्ठी में श्रद्धा ने बताया था कि किस तरह आफताब उसकी हत्या कर सकता है और उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर सकता है।

चुनाव प्रचार सामग्री जब्त किये जाने के मामले में शाहजहांपुर से भाजपा सांसद अरुण सागर फरार घोषित

नई दिल्ली। शाहजहांपुर जिले की विशेष एमपी/एमएलए अदालत ने चुनाव प्रचार सामग्री जब्त किये जाने के एक मामले में अदालत में पेश नहीं होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अरुण सागर को फरार घोषित कर दिया है। विशेष लोक अभियोजन अधिकारी नीलिमा सक्सेना ने बुधवार को पीटीआई— को बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान 12 मार्च 2019 को तत्कालीन उपजिलाधिकारी सदर ने बरेली—जलालाबाद मार्ग पर भाजपा प्रत्याशी अरुण सागर की प्रचार सामग्री को जब्त किया था। इस मामले में कांट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

'यूपी-उत्तराखंड की ही तरह हिमाचल और गुजरात में भी भाजपा फिर बनाएगी सरकार', अनुराग ठाकुर का दावा

अहमदाबाद । (एजेंसी)। गुजरात और हिमाचल प्रदेश चुनाव को लेकर कयासों का दौर लगातार जारी है। हिमाचल चुनाव के लिए जहां वोटिंग संपन्न हो चुकी है तो वहीं गुजरात में 1 और 5 दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 8 दिसंबर को आएंगे। दोनों ही राज्यों में फिलहाल भाजपा की सरकार है। हिमाचल प्रदेश और गुजरात में भाजपा ने सत्ता वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का भी बयान सामने आया है। अनुराग ठाकुर ने साफ तौर पर दावा किया है कि हिमाचल प्रदेश और गुजरात में भाजपा एक बार फिर से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए सरकार बनाएगी।

अपने बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से भाजपा ने यूपी, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में जीत हासिल की और एक बार फिर सरकार बनाई, उसी तरह हिमाचल प्रदेश और गुजरात में एक बार फिर सरकार बनाएगी। इसके साथ ही अनुराग ठाकुर ने सत्येंद्र जैन के वायरल वीडियो पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने जबरदस्त तरीके से आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 'आप' के स्वास्थ्य मंत्री 6 महीने से जेल में हैं और जेल में मजे और मसाज दिनों का आनंद उठा रहे हैं। 'आप' सत्ता का आनंद तो उठाती थी, भ्रष्टाचार करके जेल में जाकर भी आनंद कैसे उठाया जाता है, ये उसका जीता जागता उदाहरण हैं। भाजपा नेता ने तंज कसते हुए कहा कि कोर्ट में आकर खाने की तकलीफ की बात करते हैं लेकिन उन्हें (सत्येंद्र जैन) खाने की ऐसी प्लेट मिल रही है, जैसी फाइव स्टार होटल में भी न मिले। मिनरल वाटर मिल रहा है, जेल में मसाज हो रही है, ये कैसी जेल है? आपको बता दें कि सत्येंद्र जैन के इस वीडियो पर भाजपा कअरविंद केजरीवाल के खिलाफ हमलावर है। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि जेल में सारे शाही ठाठ पूरे हो रहे हैं.. मसाज के बाद खुराक सब मिल रहा है। जेल के अपराधी को दामाद की तरह पूरी खातिरदारी दे रही है 'आप'!

बीजेपी के लिए व्यक्ति से बढ़कर पार्टी और पार्टी से बड़ा देश है, मेहसाणा में बोले पीएम मोदी- यही हमारी संस्कृति

अहमदाबाद । (एजेंसी)। दो चरणों में होने वाले गुजरात के विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम दलों की ओर से राजनीतिक तैयारियां तेज हो गई हैं और नेताओं की रैलियों का दौर भी बदस्तूर जारी है। बीजेपी की ओर से गुजरात फतह का जिम्मा प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कंधों पर उठा लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के अंत तक गुजरात में लगभग 35 और रैलियों को संबोधित करेंगे। भाजपा नेताओं ने कहा कि 23 और 24 नवंबर को मेहसाणा, दाहोद, वडोदरा, भावनगर, पालनपुर, देहगाम, मटर और ढोलका में सभाओं को संबोधित करेंगे। इसी क्रम में आज पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मेहसाणा में जनसभा को संबोधित किया। मेहसाणा जिले को देश का पहला सूर्यग्राम होने का गौरव मिला और मोढेरा सूर्यग्राम के शुभारंभ के साथ ही मोढेरा की चमक पूरे विश्व में छा गई। इस बीच मेहसाणा जिला भी चमका। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसके लिए व्यक्ति से बढ़कर पार्टी और पार्टी से बड़ा देश है, यही हमारी संस्कृति है और हम इसी संस्कृति के साथ काम करते हैं। बिजली के क्षेत्र ने आज कमी को पूरा किया है, और गुजरात को इतनी ऊर्जा दी है, गुजरात को इतना उज्ज्वल बना दिया है। इस नरेंद्र, भूपेंद्र सरकार को जानवरों की भी उतनी ही चिंता है। देश भर में 14000 करोड़ रुपये का बजट खर्च कर मुफ्त पशु वध का अभियान चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आज गुजरात में 12 लाख बहनें पशुपालन से जुड़ी हुई हैं और उन बहनों को सशक्त करने के लिए हमने तय किया कि डेयरी से जो पैसा आएगा वो सीधे बहनों के खाते में जाएगा। बता दें कि पार्टी राज्य के दूसरे चरण के मतदान वाले 93 विधानसभा क्षेत्रों में आज रैलियां करने वाली है। जनसभाओं में भाग लेने वाले नेताओं में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला और मनसुख मंडाविया शामिल हैं।

सत्येंद्र जैन के खाने को लेकर कोर्ट में हुई सुनवाई, अधिकारियों से मांगी गई विस्तृत रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल में बंद है। हालांकि इस दरमियान उनके दो वीडियो काफी वायरल हुए हैं। एक वीडियो में वह मसाज कराते दिखाई दे रहे हैं। जबकि आज एक और वीडियो आया है। इसमें वह काफी वीआईपी खाना खाते दिखाई दे रहे हैं। इसी को लेकर अब मामला पूरी तरीके से कोर्ट में पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इसको लेकर सुनवाई की। दिल्ली कि कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के खानपान और उसमें बदलाव किए जाने पर तिहाड़ जेल के अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने अधिकारियों को बृहस्पतिवार दोपहर 2:00 बजे तक का समय भी दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की मेडिकल रिपोर्ट पर भी विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा है। अधिकारियों ने इसके लिए समय मांगा जिसके बाद उन्हें सोमवार तक का समय दिया गया है। सुनवाई के दौरान जैन के वकील ने कहा कि आप मीडिया में चीजें लिख नहीं कर सकते हैं। जैन धर्म का पालन करते हुए वह फल खा रहे हैं। जेल मैनुअल के मुताबिक फल खाने की इजाजत है। इसके साथ ही दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली कोर्ट में एक अर्जी दाखिल कर अदालत से यह निर्देश देने की मांग की है कि मीडिया को उनसे संबंधित सीसीटीवी की किसी भी क्लिप को प्रसारित करने से रोका जाए। कोर्ट का कहना है कि मामले की सुनवाई कल होगी। आपको बता दें कि सत्येंद्र जैन के कुछ नए वीडियो बुधवार को सामने आए, जिनमें उन्हें अपनी कोठरी में फल और कच्ची सब्जियां खाते देखा जा सकता है। जैन ने कुछ दिन पहले ही शहर की एक अदालत में याचिका दायर कर अनुरोध किया था कि तिहाड़ जेल के अधिकारियों को उनकी धार्मिक आस्था के अनुसार फल, सूखे मेवे और खजूर जैसे खाद्य पदार्थ मुहैया कराने का निर्देश दिया जाए। वहीं, दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली सरकार के मंत्री जैन की याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से मंगलवार को जवाब तलब किया था। याचिका सोमवार को दायर की गई थी। इसमें जेल प्राधिकारियों को मंत्री की तत्काल चिकित्सकीय जांच कराने का भी निर्देश देने का

रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि केंद्र सरकार में हर महीने करीब 16 लाख नौकरियां सृजित हो रही हैं

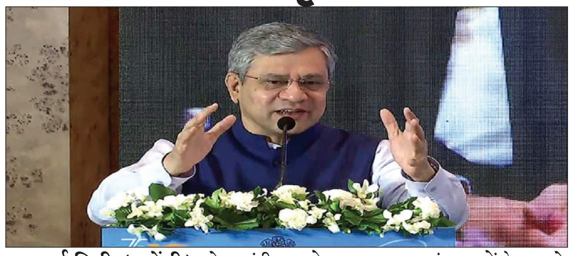

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्र सरकार में हर महीने लगभग 16 लाख रोजगार पैदा हो रहे हैं। वैष्णव केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा अजमेर में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आधिकारिक बयान के अनुसार वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि इस सरकार में हर महीने लगभग 16 लाख रोजगार पैदा हो रहे हैं और पारदर्शिता मोदी सरकार की कुंजी है। उन्होंने कहा, 'पूरे विश्व में आर्थिक संकट की स्थिति में भी भारत संभावनाओं से भरे एक ऊर्जा स्रोत के रूप में उभर कर आया है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं से आज हर वर्ग की जिंदगी आसान हुई है। युवाओं से राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम का मंत्र अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में उन्हीं लोगों ने विजय प्राप्त की जिन्होंने हमेशा अपने कर्तव्य में राष्ट्र को प्रथम रखा। यहां युवाओं के सामने आने वाली संशय सहित अन्य चुनौतियों का जिक्र करते हुए वैष्णव ने कहा कि 'वे एक चीज, केवल एक मंत्र याद रखेंगे तो कभी मन में कोई संशय नहीं होगा। वह मंत्र है राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम।'

उन्होंने कहा कि जीवन के विभिन्न हिस्सों से इसके कई उदाहरण लिए जा सकते हैं, लेकिन वही लोग आगे गए, उन्हीं लोगों ने संतुष्टि और विजय प्राप्त की जिन्होंने हमेशा अपने कर्तव्य में राष्ट्र को प्रथम रखा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री रोजगार मेले के तहत आज 71,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति-पत्र प्रदान करने के कार्यक्रम की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल शुरू किया जो सभी नवनियुक्त व्यक्तियों के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

सुप्रीम कोर्ट के सवाल पर केंद्र का जवाब, हर बार वरिष्ठता के आधार पर की जाती सीईसी की नियुक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों के मामले में केंद्र सरकार से कठिन सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि 2004 के वाद से मुख्य चुनाव आयुक्तों के कार्यकाल कम क्यों हो रहे हैं? हमने यूपीए ही नहीं, हालिया एनडीए सरकार में भी यह देखा है। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों में कानून का न होना परेशान करने वाला है। संविधान में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की वात तो है, लेकिन प्रक्रिया का अभाव है। संविधान सभा ने सोचा था कि संसद इस बारे में कानून बनाएगी, लेकिन 72 वर्षों में ऐसा नहीं हुआ। यह संविधान की 'चुप्पी' के शोषण की तरह है। एजी ने जवाब दिया कि उन्होंने पहले ही दिखाया है कि कैसे एक परंपरा का पालन किया जाता है, नियुक्ति में शामिल प्रक्रिया, और नियुक्तियां वरिष्ठता के आधार पर की जाती हैं, और हालिया ईसी नियुक्ति के पहलू पर, उन्होंने कहा कि कार्यालय मई से खाली था। एजी ने कहा, 'यह चुनने की प्रणाली नहीं है, बल्कि एक प्रक्रिया है। पीठ ने कहा कि वह समझती है कि सीईसी की नियुक्ति ईसी के बीच से की जाती है, लेकिन फिर इसका कोई आधार नहीं है और केंद्र को केवल सिविल सेवकों तक ही सीमित क्यों रखा गया है?

सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि हमें चुनाव आयोग में व्यक्ति के पूरे कार्यकाल को देखने की जरूरत है, न कि सिर्फ सीईसी के रूप में। 2-3 अलग-अलग उदाहरणों को छोड़कर पूरे बोर्ड में वह कार्यकाल 5 साल का रहा है। इसलिए कार्यकाल की सुरक्षा को लेकर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सिस्टम में एक अंतर्निहित गारंटी भी है, जब भी राष्ट्रपति सुझाव से संतुष्ट नहीं होते हैं तो वह कार्रवाई कर सकते हैं।

तेजस्वी के बाद नीतीश से भी मिले आदित्य ठाकरे, कहा- लोकतंत्र और संविधान को बचाने की चुनौती हमारे सामने

नई दिल्ली । शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे आज बिहार के दौरे पर हैं। बिहार में उन्होंने सबसे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। इसके बाद वह सीधे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मिलने पहुंचे। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव से मुलाकात के बाद उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमारे समक्ष अभी लोकतंत्र और संविधान को बचाने की चुनौती है। उन्होंने दावा किया कि इसे बचाने के लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, वह हम करेंगे। इसके साथ ही आदित्य ठाकरे ने इस बात से इनकार किया कि आज के मुलाकात में कोई राजनीतिक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा है कि आज अलग-अलग विषयों पर चर्चा हुई है। आगे हम एक साथ काम करने के लिए तैयार हैं। यह दोस्ती यूं ही जारी रहेगी। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने यह भी कहा कि हम एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं लेकिन कोविड के कारण मिल नहीं पाए। हमने विभिन्न विषयों पर चर्चा की लेकिन राजनीति पर चर्चा नहीं की। यकीन है कि यह दोस्ती जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि देश में जो भी युवा महंगाई, रोजगार और संविधान के लिए काम करना चाहता हैं अगर वे आपस में बातचीत करते रहें तो देश में कुछ अच्छा कर सकेंगे। आदित्य ठाकरे के साथ राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी भी मौजूद रही। भाजपा ने इसको लेकर अब बिहार सरकार और तेजस्वी यादव पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। भाजपा ने आदित्य ठाकरे के दौरे के दौरान ही सुशांत सिंह राजपूत के मौत का मामला भी उठाया है। भाजपा के प्रवक्ता निखिल आनंद ने इसको लेकर कई ट्वीट किए हैं।

'बसपा सरकार में हुए बेहतर कार्य', निवेशक सम्मेलन पर मायावती का तंज, बोलीं- सिर्फ जमीन अधिग्रहण और स्वार्थ तक सीमित न रहें

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लगातार कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वैश्विक निवेशक सम्मेलन की भी तैयारियां जोरों पर है। इसी को लेकर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने तंज कसा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि यह प्रयास सिर्फ कृषि भूमि के अधिग्रहण और राजनीति तथा चुनावी स्वार्थ तक सीमित नहीं रहना चाहिए। मायावती ने कई ट्वीट किए। अपने ट्वीट में मायावती ने लिखा कि उत्तर प्रदेश में बीएसपी सरकार में लोगों को रोजगार तथा बुनियादी सुविधाओं से युक्त नए पक्के मकान व भूमि आदि भी फ्री में लाखों परिवारों को आवंटित करके यहाँ गरीबों का जीवन धन्य होते हुए सभी ने देखा। उन्होंने सवाल किया कि पहले सपा व अब भाजपा सरकार में भी वैसी खास प्रगति क्यों नहीं?

इसके साथ ही मायावती ने आगे लिखा कि यूपी में देशी व विदेशी पूंजीनिवेश के लिए सरकार का अनवरत प्रयास जरूरी, किन्तु यह केवल खेती भूमि के अधिग्रहण तथा राजनीतिक एवं चुनावी स्वार्थ तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी जैसे अति-गरीबों के पिछड़े प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में वैसी ही तेज प्रगति भी लोगों को दिखनी चाहिए। बसपा सुप्रिमो ने एक और ट्वीट में अपनी सरकार को बेहतर बताते हुए कहा कि यूपी की समग्र प्रगति, विकास व लोगों की रोजी-रोटी के साथ ही उनकी सुरक्षा व आत्म-सम्मान के लिए बीएसपी की हुकूमत मे जो कुछ खास काम किया वह अपने बलबूते पर किया गया। यमुना के साथ गंगा एक्सप्रेसवे व जेवर एयरपोर्ट भी तब बन जाता अगर केन्द्र की कांग्रेस सरकार ने थोड़ा सहयोग किया होता।

दूसरी ओर मंगलवार को उत्तर प्रदेश को देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ÷उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023÷ के आयोजन की औपचारिक घोषणा की है। जीआईएस 2023 के लोगो का अनावरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज एक प्रगतिशील परिवर्तनकारी यात्रा के शिखर पर है। प्रधानमंत्री जी द्वारा निर्धारित 'आत्मनिर्भर भारत' का विजन इस कायाकल्प का प्रमुख स्तंभ है। भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का देश बनाने के प्रधानमंत्री जी के विजन का अनुकरण करते हुए, उत्तर प्रदेश ने अपने लिए .1 ट्रिलियन का लक्ष्य रखा है। इस क्रम में हमारी सरकार 10 से 12 फरवरी, 2023 तक लखनऊ में एक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर रही है, ताकि राज्य में उपलब्ध असीम व्यावसायिक अवसरों से देश और दुनिया लाभान्वित हो सके।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

चुनावी आचारसंहिता के बीच देर रात कार से 75 लाख रुपये नकद मिले!

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए अब मात्र कुछ ही दिन बाकी हैं। गुजरात में चुनाव स्थिति देखते हुए आचार संहिता लागू किया गया है। इस समय हर पार्टी चुनाव प्रचार में लगी है। इसी बीच पुलिस ने सूरत में एक कार से 75 लाख नकद बरामद किया गया है। लाखों की नकदी मिलने को लेकर हड़कंप मच गया है। एसएसटी टीम ने महिधरपुरा थाने के पास से नकदी जब्त कर आगे की जांच की। चुनाव के समय नकदी या शराब की घुसपैठ पर पुलिस विशेष नजर रखे हुए है, पुलिस ने लाखों की नकदी बरामद कर छानबीन शुरू कर दी है।

आपको बता दें कि ये कार देर रात चेकिंग के दौरान पकड़ी गई। इस कार में 3 लोग सवार थे, जिनमें से एक भाग निकला। दो लोगों से पूछताछ की गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार से कांग्रेस के पार्किंग पास भी बरामद किए गए हैं। इसमें नकदी किसके पास और किसको दी जानी थी, समेत तमाम पहलुओं की पुलिस जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक यह कैश फ्लो अंगदिया के जरिए आया। कार महाराष्ट्र गुजर रही है। और यह विनायक ट्रेवल्स के नाम पर है। इस मामले की जांच में इनकम टैक्स की टीम भी शामिल हो गई है।

जिन दो लोगों को हिरासत में लिया गया उनका नाम उदय गुर्जर और मोहम्मद फैज है। जबकि संदीप नाम का युवक फरार है और कर्नाटक का रहने वाला है।

इस मामले में कांग्रेस प्रवक्ता नायसाद देसाई ने बयान दिया है कि इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। यह साजिश रचने की कोशिश है। कार का दुरुपयोग किया गया है। कांग्रेस को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है।

भगवान महावीर कॉलेज में लव जिहाद को लेकर बवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लव जिहाद को लेकर पिछले लंबे समय से देशभर में लोगों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। जिस तरह से दिल्ली में एक विधर्मी युवक ने एक लडकी के शरीर को बिना जलाए और उसके अंगों को बाहर फेंके बिना उसके टुकड़े-टुकड़े करने का खेल खेला है। इसके बाद इस मामले को लेकर हिंदुओं में भी गुस्सा देखा जा रहा है।

वेसु इलाके में स्थित भगवान महावीर कॉलेज में कुछ छात्रों के सक्रिय होने और हिंदू लड़कियों से संपर्क बढने की बात सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया।

सूरत के प्रसिद्ध भगवान महावीर कॉलेज में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ते हैं। कॉलेज के भीतर एक सुनियोजित लव जिहाद की साजिश का संदेह था। हिंदू छात्राओं को विधर्मी युवकों द्वारा निशाना बनाकर उनके साथ प्रेम संबंध बना रहे थे। इस संबंध में विश्व हिंदू परिषद ने एक सर्वे किया और ऐसे युवकों की पहचान करने का काम शुरू किया गया जिससे मारपीट हुई थी।

कॉलेज में हिंदू संगठनों के माध्यम से जो छात्र गैर-धार्मिक थे और जिनका हिंदू लड़कियों से संपर्क बढ़ गया था और उनके साथ संबंध थे। इनकी शिनाख्त की प्रक्रिया गुपचुप तरीके से की जा रही थी। जिसमें देखा गया कि दो तीन विधर्मी युवक यह साजिश रच रहे हैं। वह छात्रों से सोशल मीडिया पर चैटिंग कर दोस्ती करता था और आपस में मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान कर बातचीत कर दोस्ती को और गहरा करने की कोशिश करता था। उनकी पहचान करके कॉलेज में ही छात्र को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने सरेआम पीटा था। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नावडिया ने कहा कि लव जिहाद पूरे देश में और शहर में भी लंबे समय से बढ़ रहा है। विधर्मी युवक हिंदू लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाते हैं और अंततः हिंदू लड़कियों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया जाता है। सूरत के भगवान महावीर कॉलेज में भी कुछ छात्र सक्रिय हो गए हैं और जानकारी मिल रही है कि

वे हिंदू छात्रों से संपर्क कर उन्हें प्रेमजाल में फंसा रहे हैं।

इस मामले में विश्व हिंदू परिषद की टीम लगी हुई थी। लड़कीयों से इस बात की जांच कर रही थी कि मामले में कोई सच्चाई है या नहीं।

जब इस बात के पर्याप्त सबूत मिल गए कि ये विधर्मी हिंदू लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने की पूरी साजिश रच रहे थे। हमने तब कार्रवाई की है। ताकि काफिर न केवल सूरत शहर में बल्कि देश में भी ऐसी घटनाओं को अंजाम दें जैसा कि उन्होंने दिल्ली में विधर्मी युवक ने हिंदू लड़की के साथ किया है। इसे लेकर लोगों में खासा रोष है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विश्व हिंदू परिषद काम कर रही है।

सरकारी कर्मचारियों ने किया मतदान के अधिकार का प्रयोग, पोस्टल बैलेटसे वोट डाला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आगामी विधानसभा चुनाव के चलते सरकारी कर्मचारी अपनी ड्यूटी में व्यस्त हैं। परिणामस्वरूप वे मतदान के दिन अपने मत का प्रयोग नहीं कर सकते। लिहाजा सूरत जिला प्रशासन द्वारा पुलिस अधिकारी और कर्मचारी ने अपने मत का प्रयोग किया कि उसके लिए अलग से प्रशासन ने पोस्टल बेलेट की विशेष व्यवस्था की। शहर जिले के पुलिसकर्मीओं तथा अधिकारियों ने आज अपने मतदाधिकार का पोस्टल बेलेट के जरिए उपयोग किया।

सूरत जिला निर्वाचन प्रणाली ने गुजरात विधानसभा चुनाव-2022 में चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए पोस्टल बैलेट पेपर से वोट डालने की सुविधा तैयार की है, ताकि वे मतदान से वंचित न रहें। गुजरात में एक दिसंबर को मतदान होने जा रहा है। तब सूरत जिले के 16 विधानसभा क्षेत्रों के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने अठवालाइन्स के सूरत सिटी पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में बने सुविधा केंद्र में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सूरत के 16 विधानसभा क्षेत्रों में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में ओलपाड, मांगरोल, कामरेज, सूरत पूर्व, सूरत उत्तर, वराछा, करंज, लिंबायत, उधना, मजूरा, कतारगाम, सूरत पश्चिम, चोर्यासी , बारडोली और महुवा विधानसभा के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी 24/11/2022 को अठलाइन नागरिक सुविधा केंद्र में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कुल मतदान करेंगे। मतदान के अवसर पर पुलिस शाखा के उच्चाधिकारियों ने भी पोस्टल बैलेट पेपर के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं सूरत संभाग के थाना पुलिस शाखा, पुलिस मुख्यालय के पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों ने भी मताधिकार का प्रयोग किया।

विधानसभा चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने वाले कर्मचारी मतदान के दिन अपने निर्धारित कार्य में व्यस्त हैं जिसके कारण वे अपना वोट डालने में असमर्थ हैं। लिहाजा सूरत शहर और जिले में चुनाव प्रक्रिया में व्यस्त रहने वाले अधिकारियों के लिए आज और कल दो दिन मतदान की व्यवस्था की गई है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए कि हर कोई मतदान के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकता है, आज सूरत में विशेष व्यवस्था बनाई जा रही है, पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने मतदान किया। कल अन्य सरकारी कर्मचारियों के लिए भी व्यवस्था की जाएगी।